आवश्यकता है

स्वदेश प्रेम राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र को आवश्यकता है कम्प्यूटर ऑपरेटर की जो सही ढंग से न्यूज की वीडियों एडेटिंग कर सके।

ब्रांच ऑफस : ए-19/1, ऑफिस नं-11, प्रथम मंजिल, नियर फ्लाई ओवर, मेन वजीराबाद रोड, भजनपुरा, दिल्ली- 110053

सम्पर्क करें : 9810993893, 8287161748

Website : http://svadeshprem.com

E-mail: svadeshprem0@gmail.com

R.N.I NO : DELHIN/2022/86452

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

स्वदेश प्रेम

दुनिया में अलग-थलग ... 3

नाक की सर्जरी हुई... 8

वर्ष : 3 | अंक : 6 | नई दिल्ली, बुधवार, 1 जनवरी से 7 जनवरी 2025 | साप्ताहिक | मूल्य : 3 रुपये | पृष्ठ : 8

संक्षिप्त खबरें

संसद भवन के पास युवक ने खुद को लगाई आग

नई दिल्ली।। देश की राजधानी दिल्ली में नए संसद भवन के पास एक व्यक्ति ने खुद को आग लगाकर आत्मदाह की कोशिश की है। उधर पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, जितेंद्र नाम का यह व्यक्ति उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। अभी तक आत्मदाह की कोशिश की वजह का पता नहीं चल सकी है।

पिघला हुआ सोना और ज़ूलरी के साथ रिसीवर समेत 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली।। आईपी एस्टेट थाना पुलिस टीम ने पिघला हुआ सोना और ज़ूलरी के साथ रिसीवर समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में मोहम्मद आमिर, अब्दुल समद, मोहम्मद असद और मोहम्मद साहिल है। पुलिस ने इनके पास से पिघली हुई अवस्था में एक सोने का कंगन, एक चांदी का पेंडेंट, एक कृत्रिम चेन बरामद की है।

वसंत विहार में 8 साल की बच्ची की हत्या

नई दिल्ली।। दिल्ली के वसंत विहार इलाके में 8 साल की बच्ची की हत्या का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। मंगलवार (24 दिसंबर) सुबह शंकर विहार मिलिट्री स्टेशन के एक खाली मकान में बच्ची का शव बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, 19 वर्षीय आरोपी युवक, जो बच्ची का पड़ोसी है, ने दुष्कर्म के प्रयास में असफल होने पर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। आरोपी ने वारदात को आत्महत्या का रूप देने के लिए बच्ची के गले में दुपट्टा बांध दिया था।

हथियार के बल पर लूटपाट करने वाले दो नाबालिग को पकड़ा

नई दिल्ली।। उत्तरी जिला डीसीपी राजा बॉठिया ने बताया कि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज वर्मा की देखरेख में गठित टीम 24 दिसम्बर को क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी बीच एक ऑटो चालक ने भयभीत हालत में पुलिस टीम को बताया कि झारोदा मेट्रो स्टेशन के पास चार लडक़ों ने पिस्तौल की नोक पर उससे 6 सौ रुपये और एक एक फोन लूट लिया है। टीम तुरंत कार्रवाई में जुट गई और झारोदा मेट्रो स्टेशन के पास खड़े चार आरोपियों का पता लगाने में सफल रहे।

हाथापाई के बाद डंबल से हमला, मौत

पूर्वी दिल्ली।। प्रीत विहार इलाके में स्थित एक रेस्तरां में काम करने वाले एक कर्मचारी ने बृहस्पतिवार सुबह एक सहकर्मी के साथ झगड़ा होने के बाद उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना तृप्ता रस्तोगी नाम की एक महिला के रेस्तरां में हुई। एक अधिकारी के अनुसार, रस्तोगी ने पुलिस को सूचना दी कि उसके रेस्तरां में काम करने वाले दो कर्मचारी सूरज और प्रकाश के बीच देर रात करीब दो बजे हाथापाई हुई थी और इस दौरान सूरज ने प्रकाश के सिर पर डंबल से कथित तौर पर वार किया और भाग गया।

मनमोहन सिंह की वो आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस, जिसमें पूछे गए थे कई कड़े सवाल

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह की उस आखरि़ प्रेस वार्ता का हवाला अक्सर दिया जाता है, जिसमें उनसे पत्रकारों ने कड़े से कड़े सवाल पूछे थे. जो पीएम मोदी पर निशाना साधते हैं, वो भी इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का उल्लेख करते हैं कि मोदी ने प्रधानमंत्री रहते हुए कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की.

मनमोहन सिंह ने एक बार अपने बारे में कहा था, 'लोग मुझे 'एक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर' कहते हैं, लेकिन मैं 'एक्सिडेंटल वित्त मंत्री' भी था.' प्रधानमंत्री के तौर पर मनमोहन सिंह की अंतिम प्रेस कॉन्फ्रेंस तीन जनवरी 2014 को हुई थी, जो एक घंटे से ज़्यादा समय तक चली थी.

उस दौरान कई चुनावों में कांग्रेस पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था. इन चुनावों में दिल्ली के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार काफ़ी अहम थी, जहां अन्ना हज़ारे के नेतृत्व में एक आंदोलन हुआ था और निशाने पर केंद्र सरकार थी.

मनमोहन सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में ही देश के सामने आर्थिक चुनौतियों और वैश्विक आर्थिक मंदी की चर्चा की. देश में बढ़ती महंगाई को भी मनमोहन सिंह ने अपने संबोधन में स्वीकार किया था.

नज़र डालते हैं, प्रधानमंत्री के तौर पर मनमोहन सिंह की अंतिम प्रेस कॉन्फ्रेंस पर, जिनमें उन्हें कई मुश्किल सवालों का सामना करना पड़ा.

सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर सवाल : मनमोहन सिंह से पूछा गया, 'यूपीए-1 से यूपीए-2 तक लगातार एक के बाद एक भ्रष्टाचार के मुद्दे सामने आए हैं, आपकी मिस्टर क्लीन की जो छवि थी आपको नहीं लगता है कि जब आप कुर्सी छोड़ने वाले हैं, तो वो छवि दागदार हुई है?' इस सवाल के जवाब में मनमोहन सिंह ने कहा, 'जहाँ तक भ्रष्टाचार के आरोपों का सवाल है तो इनमें से ज़्यादातर आरोप यूपीए-1 से जुड़े हैं. कोल ब्लॉक आवंटन, 2-जी स्पेक्ट्रम आवंटन दोनों ही यूपीए-1 के दौर के हैं. हम अपने काम के आधार पर वोटर के सामने गए और भारत की जनता ने हमें दोबारा जनादेश दिया.'

'ये मुद्दे समय-समय पर मीडिया, सीएजी और कोर्ट में उठता रहा है लेकिन भारत की जनता ने हम पर दोबारा भरोसा जताया और भ्रष्टाचार के आरोपों को मुझसे या मेरी पार्टी से नहीं जोड़ा.' भ्रष्टाचार मुद्दे पर उनसे फिर सवाल पूछा गया, 'क्या आपको नहीं लगता है कि यूपीए-1 के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण आपकी सरकार को बड़ी क़ीमत चुकानी पड़ी?

मनमोहन सिंह ने कहा, 'मैं इस मामले में थोड़ा दुःखी महसूस करता हूं क्योंकि मैंने ही इस बात पर ज़ोर दिया था कि स्पेक्ट्रम आवंटन पारदर्शी और निष्पक्ष हो. मैं ही था जिसने ज़ोर देकर कहा था कि कोल ब्लॉक का आवंटन नीलामी के आधार पर हो, लेकिन इन तथ्यों को भूला दिया गया. इस मामले में विपक्ष का अपना स्वार्थ निहित था. कुछ मौक़ों पर मीडिया उनके हाथ का खिलौना भी बन गया.'

'इसलिए मेरे पास इसकी हर वजह है कि जब भी इस समय का इतिहास लिखा जाएगा, हम बेदाग़ बाहर आएंगे. इसका मतलब यह नहीं है कि कोई अनियमितता नहीं हुई लेकिन इस समस्या की दिशा को मीडिया, कुछ मौक़ों पर सीएजी और अन्य लोगों ने बढ़ा चढ़ाकर पेश किया.'

यह वो दौर था, जब केंद्र सरकार पर कई तरह के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे थे. विपक्षी दल कॉमनवेल्थ गेम्स- 2010, कोल ब्लॉक आवंटन और 2 जी स्पेक्ट्रम के आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे थे. केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई पर भी सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख़ टिप्पणी की थी. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में उनके कई मंत्रियों पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे. इसी पर उनसे एक सवाल किया गया कि अपने मंत्रियों पर कार्रवाई करने में नाकाम रहे हैं?

मनमोहन सिंह ने कहा, 'मैं मानता हूँ कि इतिहास मेरे प्रति आज के मीडिया के मुक़ाबले ज्यादा उदार होगा.'

घमासान के बीच केजरीवाल ने शुरू की पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना, मरघट वाले बाबा के किए दर्शन

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना की शुरुआत की। केजरीवाल ने मरघट वाले बाबा के दर्शन कर इस योजना को शुरू किया। मंगलवार को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ कश्मीरी गेट स्थित मरघट वाले बाबा मंदिर गए। यहां उन्होंने पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना का शुभारंभ किया। इस दौरान केजरीवाल ने खुद पुजारी का रजिस्ट्रेशन किया। पहले हनुमान मंदिर से योजना शुरू करने का प्लान था।

इस दौरान केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने रजिस्ट्रेशन रोकने की कोशिश की। लेकिन भक्त को भगवान से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। इस योजना के अनुसार, दिल्ली में आप की सरकार पुजारी और ग्रंथियों को 18 हजार रुपये की सैलरी देगी। सोमवार को ही अरविंद केजरीवाल ने इस योजना का एलान किया था। यहां के महंत का आज जन्मदिन है। केजरीवाल ने उनके साथ जन्मदिन भी मनाया।

इससे पहले, दिल्ली सरकार द्वारा पुजारियों और ग्रंथियों को वेतन देने की घोषणा पर भाजपा की ओर से सवाल उठाने पर ँइ सांसद संजय सिंह ने कहा कि उनका हाथ 22 राज्यों में किसी ने नहीं पकड़ा है। वे पीएम मोदी से कहें कि 22 राज्यों में ये योजना लागू करें। पुजारियों और ग्रंथियों के खिलाफ भाजपा के लोग क्यों आ गए हैं? आप हमसे काम पर प्रतियोगिता करें, काम कर नहीं पाते हैं विरोध करने पहले आ जाते हैं।

योजना पर भाजपा ने बोला हमला : मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने केजरीवाल द्वारा मंदिर और गुरुद्वारा पुजारियों को 18,000 रुपये मासिक मानदेय देने की घोषणा को आप का एक और 'झूठा वादा' करार दिया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री जानते हैं कि उनका 'राजनीतिक जीवन' खत्म होने वाला है। उन्होंने कहा कि हाल ही तक उनकी सरकार धार्मिक स्थलों के बाहर शराब की दुकानें खोल रही थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आप सरकार ने इमामों को भी इतनी ही राशि देने का वादा किया था, लेकिन 17 महीने से उन्हें भुगतान नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया, 'भारत में उनसे बड़ा धोखेबाज कोई नहीं हुआ।'

मंदिर के पुजारियों व गुरुद्वारे के ग्रंथियों को हर माह 18 हजार देगी सरकार : आपको बता दें कि सोमवार को आम आदमी पार्टी ने मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को हर माह 18 हजार रुपये देने का वादा किया है। मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल हनुमान मंदिर में पुजारियों का पंजीकरण की शुरूआत करेंगे। दिल्ली में पहले से ही महिला सम्मान और संजीवनी योजना विवादों में चल रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर दिल्ली में मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों के लिए पुजारी-ग्रंथी योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी सत्ता में आती है तो हर माह 18 हजार रुपये प्रति माह सम्मान राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस राशि को वेतन या तनख्वाह नहीं कहूंगा, लेकिन आज इस योजना के जरिए हम पुजारियों और ग्रंथियों का सम्मान करने के लिए इसकी घोषणा कर रहे हैं। सरकार बनने पर लगभग 18 हजार रुपये महीना सम्मान राशि दी जाएगी।

वहीं भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में महिला सम्मान व संजीवनी योजना को पुलिस भेजकर, फर्जी केस कर रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि एक पुजारी हमारे सुख-दुख सब में काम आता है। सदियों से हमारी परंपराओं, हमारे रीति रिवाजों और संस्कारों को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया है। यह देश में पहली बार हो रहा है। आज तक किसी भी पार्टी और सरकार ने ऐसा नहीं किया।

'एकता का महाकुंभ': 'समाज से नफरत और विभाजन खत्म करने का संकल्प लेकर लौटें', पीएम मोदी की श्रद्धालुओं से अपील

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ को लेकर भी लोगों को जानकारी दी और संकल्प दिलाया। पीएम नरेंद्र मोदी ने श्रद्धालुओं से अपील की कि जब हम कुंभ में भाग लें तो समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प लेकर लौटें। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। इस समय संगम तट पर भव्य तैयारियां चल रही हैं। कुछ दिन पहले प्रयागराज गया था तो हेलीकॉप्टर से वहां चल रहीं तैयारियां देखकर खुश हो गया था। इतना विशाल, इतना सुंदर, इतनी भव्यता। महाकुंभ की विशेषता इसकी विशालता में ही नहीं है। कुंभ की विशेषता इसकी विविधता में है।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ों संप्रदाय, अनेकों अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता। कोई बड़ा नहीं होता, कोई छोटा नहीं होता। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य, विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलता है। इसलिए ये हमारा कुंभ एकता का महाकुंभ भी होता है। इस बार का महाकुंभ भी एकता के महाकुंभ के मंत्र को सशक्त करेगा। जब हम इसमें शामिल हों तो एकता के मंत्र को साथ लेकर वापस आएं।

पीएम ने कहा कि जब हम कुंभ में भाग लेंगे, तो समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प लेंगे। कम शब्दों में कहूंगा कि 'महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश, महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश।' दूसरे शब्दों में कहें तो 'गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा। गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा।'

पीएम मोदी ने कहा कि डिजिटल नेविगेशन की मदद से श्रद्धालु महाकुंभ 2025 में विभिन्न घाटों, मंदिरों और साधुओं के अखाड़ों तक पहुंच सकेंगे। यही नेविगेशन सिस्टम पार्किंग स्थलों तक पहुंचने में भी मदद करेगा। कुंभ आयोजन में पहली बार एआई चैटबॉट का इस्तेमाल किया जाएगा। एआई चैटबॉट के जरिये कुंभ से जुड़ी सभी तरह की जानकारी 11 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी। इस चैटबॉट से संदेश भेजकर कोई भी कैसी भी मदद मांग सकता है। पूरे मेला क्षेत्र को एआई संचालित कैमरों से कवर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान अगर कोई अपने परिजनों से बिछड़ जाता है तो ये कैमरे उसे ढूंढने में मदद करेंगे। श्रद्धालुओं को डिजिटल खोया-पाया केंद्र की सुविधा भी मिलेगी। श्रद्धालुओं को उनके मोबाइल फोन पर सरकार द्वारा स्वीकृत टूर पैकेज, आवास और होमस्टे की जानकारी दी जाएगी। आप भी महाकुंभ में जाएं तो इन सुविधाओं का लाभ उठाएं। साथ ही क्षएकताकामहाकुंभ के साथ अपनी सेल्फी जरूर अपलोड करें।

'नई दिल्ली विधानसभा सीट पर चुनाव जीतने के लिए लोगों के वोट कटवा रही बीजेपी', केजरीवाल का बड़ा आरोप

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा सीट में चुनाव जीतने के लिए बीजेपी लोगों के वोट कटवा रही है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी चुनाव से डरी हुई है। इसलिए वह ऐसे काम कर रही है।

दिल्ली में बीजेपी के पास कोई वीजन नहीं : अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली मे बीजेपी हार मान चुकी है, ना उनके पास सीएम फेस है, ना कैंडिडेट है, ना ही उनके पास कोई वीजन है। बीजेपी किसी भी तरीके से चुनाव जीतना चाहती है।

दिल्ली में शुरू हुआ ऑपरेशन लोटस : केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी ने पहले शहदरा में 11 हजार वोट काटने की कोशिश की। अब नई दिल्ली विधानसभा सीट पर वोट काटे गए हैं। केजरीवाल ने कहा, 'आज मैं आपको आंकड़ें बता रहा हूं। नई दिल्ली मे 15 दिसंबर से इनका ऑपरेशन लोटस शुरू हुआ है। 5 हजार वोट डिलीट कराने के लिए डाले गए हैं, 7 हजार ऐड करवा रहे हैं। 12 प्रतिशत वोट ये (बीजेबी) इधर-उधर कर रहे हैं। यदि ऐसा ही रहता फिर तो चुनाव पानी में गया।'

कौन हैं ये समाजसेवी- अरविंद केजरीवाल ने पूछा : पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, '29 अक्टूबर से 14 दिसंबर तक 900 वोट डिलीशन के लिए आए हैं। 15 दिसंबर से 29 दिसंबर तक 5000 वोट डिलीशन के लिए आए। 10 लोग हैं, जो मास डिलीशन के लिए नाम लाए हैं। कौन हैं ये समाजसेवी?'

10, हजार नए वोटर की रिक्वेस्ट आई : केजरीवाल ने कहा, 'हमने कुछ नाम को वेरीफाई करवाया तो 400 से ज्यादा लोग अपनी जगह पर रह रहे हैं। अब जो वेरिफिकेशन होगा, सभी पार्टियों के लोगों की मौजूदगी में होगा। 10,000 नए वोटर की रिक्वेस्ट आई है। ये (बीजेपी) हरियाणा से लोगों को ला रहे हैं। ये इतने नएं वोटर कहां से आ गए नई दिल्ली में 10% वोटर बड़ा दिया है।'

देश के 'बहुजनों' के साथ बर्बर-अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: राहुल

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि एक तरफ़ मध्य प्रदेश के देवास में दलित युवक की पुलिस कस्टडी में हत्या की गई। दूसरी तरफ़ ओडिशा के बालासोर में आदिवासी महिलाओं को पेड़ से बांधकर पीटा गया है। ये दोनो घटनाएं दुखद, शर्मनाक और अत्यंत निंदनीय हैं।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''एक तरफ़ मध्यप्रदेश के देवास में दलित युवक की पुलिस हिरासत में हत्या की गई। दूसरी तरफ, ओडिशा के बालासोर में आदिवासी महिलाओं को पेड़ से बांधकर पीटा गया है। दोनों घटनाएं दुखद, शर्मनाक और अत्यंत निंदनीय हैं।'' राहुल गांधी ने कहा, बीजेपी की मनुवादी सोच के कारण उनके शासन वाले राज्यों में एक के बाद एक इस तरह की घटनाएं हो रही हैं- सरकार की शह के बिना ये संभव नहीं है। देश के बहुजनों के साथ ऐसी बर्बरता किसी भी क़ीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, 'हम उनके साथ हैं, उनके संवैधानिक अधिकारों के लिए और उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरी ताक़त के साथ लड़ेंगे।'

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में एक दलित व्यक्ति की कथित हत्या तथा ओडिशा में तीन आदिवासी महिलाओं के साथ मारपीट की घटना को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की मनुवादी सोच के कारण उसके शासन वाले राज्यों में दलित और आदिवासी समुदायों के लोगों के साथ बर्बरता हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के बहुजनों के साथ ऐसी बर्बरता किसी भी क़ीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यौन शोषण के शिकार बच्चों की मदद के वास्ते आवेदन मांगे

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। दिल्ली महिला एवं बाल विकास विभाग (डब्ल्यूसीडी) ने बुधवार को यौन शोषण के शिकार बच्चों की मदद के लिए सहायक व्यक्ति की भूमिका के वास्ते आवेदन आमंत्रित किए है। अधिसूचना में कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 39 के प्रावधानों के तहत बच्चों के लिए उचित सहायता, सुरक्षा और समर्थन सुनिश्चित करना है।

अधिसूचना में क्या कहा गया है?

इसमें कहा गया है कि विभाग यौन शोषण के पीड़ितों की सहायता करने और इस सामाजिक रूप से संवेदनशील कार्य में योगदान देने के लिए पॉक्सो अधिनियम की धारा 39 के तहत सहायक व्यक्ति की भूमिका निभाने में रुचि रखने वाले व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित करता है।

कब जमा होंगे आवेदन?

अधिसूचना में इच्छुक उम्मीदवारों को आवेदन पत्र, विस्तृत शर्तें और पात्रता मानदंड के बारे में जानकारी लेने के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाने का निर्देश दिया गया है। इसमें कहा गया है कि आवेदन 26 दिसंबर और नौ जनवरी को शाम पांच बजे जमा किए जा सकते हैं।

सम्पादकीय

बेकाबू होती जा रही महंगाई

महंगाई गंभीर समस्या बनती जा रही है और बाजार में उतार-चढ़ाव के तौर पर देखी जाने वाली स्थितियां अब आम रहने लगी हैं। एक दौर था, जब लोग कुछ समय तक महंगाई की चुनौतियों का सामना कर लेते थे। अब महंगाई में निरंतरता बनी हुई है, खर्च की चादर फैलती जा रही है। ठंड के मौसम में हरी सब्जियां बाजार में दिखती हैं और अमूमन उनकी कीमत ऐसी रहती है कि लोग खर्च कर सकें, लेकिन इस साल ऐसा नहीं है। गोभी, पालक, भिंडी, टमाटर, प्याज, लहसुन, मटर जैसी सब्जियों के दाम ज्यादा होने से आम लोगों का बजट प्रभावित हो रहा है। सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक, बड़े कारोबारियों की जमाखोरी के कारण महंगाई की नौबत आई है। विवाह आयोजनों के लिए खरीद हो रही है और छोटे विक्रेताओं तक आवक कम हो रही है। इस बार हरी सब्जियों की पैदावार भी कम हुई है। हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों से रोजी-रोजगार की फिक्र में लोग यह भी भूलते जा रहे हैं कि उनकी थाली में न्यूनतम चीजें क्या-क्या होनी चाहिए। यह नौबत आ गई है कि अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों की चकाचौंध के बीच बहुत सारे लोगों को खाने-पीने की चीजों में भी कटौती करनी पड़ रही है। यह सोचने की जरूरत है कि आर्थिक विकास के दावों के दायरे में कौन है। क्यों थाली महंगी हो रही है।

जरूरी सामानों के साथ ही खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई कीमतों ने पहले ही आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित करना शुरू कर दिया था। मुश्किल सिर्फ सब्जियों तक नहीं सिमटी है। इसका असर दूसरे खाद्य पदार्थों पर भी पड़ा है और खरीदारी के वक्त भी लोगों को अब थोड़ा रुक कर सोचना पड़ रहा है।

यह दुखद स्थिति है कि आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ाने का दावा करने के क्रम में इस पक्ष की अनदेखी की जा रही है कि लोग जीने के लिए जो भोजन कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें कितना सोचना पड़ रहा है। देश की गरीब आबादी के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं, यह समझना बहुत मुश्किल नहीं है। रुपए की कीमत लगातार कम होते जाने की वजह से भी महंगाई पर काबू पाने में मुश्किलें आ रही हैं। महंगाई की हकीकत और सरकारी आंकड़ों में विरोधाभास दिख रहा है। दो दिन पहले सरकार का आंकड़ा सामने आया कि महंगाई दर में गिरावट हुई है और दावा किया गया कि खुदरा बाजार में स्थिति संभलने लगी है, लेकिन हकीकत कुछ और है। दरअसल, खुदरा बाजार का तंत्र जरूरी नहीं कि थोक बाजार से ही नियंत्रित हो या उसके जरिए ही संचालित हो। एक बड़ी वजह यह है कि आयात और निर्यात नीति पर संतुलित तरीके से ध्यान नहीं दिया जाता।

हाल में आयात और निर्यात के जो आंकड़े सामने आए हैं, उनसे यह स्पष्ट है। व्यापार घाटा बढ़ा है। इससे महंगाई बढ़ती ही है। महंगाई पर काबू पाने के लिए वस्तुओं के विपणन, भंडारण और आयात पर तर्कसंगत नजरिए से काम होना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि केंद्रीय बैंक व सरकार के प्रयासों के बावजूद खुदरा महंगाई पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल नहीं हो सके हैं। तमाम उपायों के बावजूद बिचौलियों पर काबू नहीं पाया जा सका है। नीतिगत स्तर पर इसके लिए ठोस उपाय करने होंगे।

सही निकला डर

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जिस तरह के कदम उठा रही है, उससे दोनों देशों के रिश्तों में बेहतरी आने के बजाय खटास और बढ़ने के आसार दिख रहे हैं। खासकर, जिस तरह से बांग्लादेश की पाकिस्तान से करीबी बढ़ रही है, वह भारत के लिए सिरदर्द साबित हो सकता है।

पड़ोसी मुल्क में हालिया सत्ता परिवर्तन सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का परिणाम नहीं था। इसलिए उसके बाद थोड़ी अफरातफरी स्वाभाविक थी। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ ही जिस तरह से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का सिलसिला शुरू हुआ, वह अंतरिम सरकार गठित होने के बाद भी जारी रहा। यह इस बात का संकेत था कि बांग्लादेश का नया नेतृत्व या तो इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव में है या उन पर अंकुश लगाने में असमर्थ है। लंबी सरहद वाले इस पड़ोसी मुल्क में इस तरह का घटनाक्रम सीधे तौर पर भारत को प्रभावित करता है। लिहाजा, भारत ने ठीक ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से बार-बार कहा कि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। मगर वहां की सरकार ठोस कदम उठाने के बजाय हिंसा की इन घटनाओं को झुठलाने में लगी रही। इसके साथ ही उसने ऐसा रुख अपनाना शुरू किया जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है।

इसी रुख का ताजा उदाहरण है बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग। दोनों देशों के बीच हुई प्रत्यर्पण संधि में राजनीतिक प्रत्यर्पण की बात नहीं है, फिर भी इस संधि के हवाले से उस पर जोर दिया जा रहा है। भारत ने इस पर खामोशी बनाए रखी है, लेकिन यह सवाल तो है ही कि क्या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जाने-अनजाने इस मांग के जरिए उसे असुविधाजनक स्थिति में डालने की इच्छा रखने वालों का अजेंडा आगे बढ़ा रही है। यह सब जैसे काफी न था, बांग्लादेश की सरकार ने पाकिस्तान के साथ आश्चर्यजनक तेजी से संबंध सुधारने शुरू कर दिए। हालांकि कोई भी देश किसी भी अन्य देश से रिश्ते सुधारता है तो इसमें आपत्तिजनक कुछ भी नहीं है, लेकिन जिस तरह से पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के साथ हुई मुलाकात में बांग्लादेशी सरकार के मुख्य कर्ता-धर्ता मोहम्मद यूनुस ने 1971 के मसले सुलटाने की बात कही, बांग्लादेशी सेना को पाक सेना के जरिए ट्रेनिंग दिलाने की प्रक्रिया शुरू हो गई और बगैर जांच पड़ताल के पाकिस्तानी जहाज व पाक नागरिकों को प्रवेश दिया जाने लगा है, वह सामान्य बात नहीं है। पहले ऐसा देखा गया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI ने बांग्लादेश के जरिये भारत में आतंकवाद और उग्रवाद बढ़ाने की कोशिश की थी। वह फिर से ऐसी कोशिशें कर सकती है। ऐसे में भारत को बांग्लादेश सीमा को लेकर सतर्कता बढ़ानी होगी।

कार्टून कोना

हां, मनमोहन सिंह सही थे... इतिहास उन्हें हमेशा याद रखेगा, वजह भी जान लीजिए

इतिहास मनमोहन सिंह के प्रति दयालु रहेगा। यह उन्हें ऐसे वित्त मंत्री के रूप में याद रखेगा, जिन्होंने 1991 में भारत के आर्थिक सुधारों की शुरुआत की। ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में याद रखेगा, जिन्होंने एक दशक के अधिकांश समय में 8.5 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ को बनाए रखा। यह उन्हें एक सिख के रूप में भी याद रखेगा, जिसे एक ईसाई कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद के लिए नॉमिनेट किया गया था और उस देश के एक मुस्लिम राष्ट्रपति ने उन्हें शपथ दिलाई थी, जहां 82% हिंदू आबादी है।

कैसा रहा मनमोहन सिंह का कार्यकाल : पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का दस साल का कार्यकाल उपलब्धियों और विफलताओं का मिलाजुला रूप रहा। एक ओर, उन्होंने 1991 में वित्त मंत्री के रूप में भारत के आर्थिक सुधारों की शुरुआत की और प्रधानमंत्री के रूप में एक दशक तक 8.5% की जीडीपी वृद्धि देखी। दूसरी ओर, उनके कार्यकाल के दौरान आर्थिक विकास 9% से घटकर 4.5३ हो गया। पांच वर्षों तक मुद्रास्फीति औसतन लगभग 10 फीसदी रही, और अनगिनत घोटालों का दौर चला, जिसका परिणाम कांग्रेस पार्टी की अब तक की सबसे बुरी चुनावी हार के रूप में सामने आया।

लिंकन से तुलना : जिस प्रकार अब्राहम लिंकन को उनकी कमियों के बावजूद गुलामी उन्मूलन के लिए याद किया जाता है, उसी प्रकार मनमोहन सिंह की विफलताओं को भुला दिया जाए तो उनकी उपलब्धियों के लिए याद रखा जाएगा। मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि के कारण जॉर्ज बुश ने भारत को परमाणु क्लब में शामिल होने का प्रस्ताव दिया, जिससे परमाणु रंगभेद का अंत हुआ। इसके अलावा, बराक ओबामा ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत का समर्थन करने का वादा किया। ये ऐतिहासिक घटनाएं 2उ घोटाले जैसे विवादों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं और इतिहास के पन्नों में दर्ज रहेंगी।

इतिहास की किताबों को एक तरफ रख दें : आइए आज के बारे में बात करते हैं, जब मनमोहन सिंह पद छोड़ रहे। कई आलोचक शिकायत करते हैं कि उन्होंने 10 साल के शासन में पर्याप्त काम नहीं किया। यह आलोचना गलत है क्योंकि इसमें यह मान लिया गया है कि मनमोहन सिंह भारत पर राज कर रहे हैं, जबकि निर्विवाद शासक सोनिया गांधी रही हैं। कांग्रेस पार्टी के अर्ध-सामंती लोकाचार में औपचारिक लोकतांत्रिक उपाधियों का कोई मतलब नहीं है। केवल वंशवाद मायने रखता है।

मनमोहन सिंह कैसे बने प्रधानमंत्री : यह एक ऐसी पार्टी है जहां सभी सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि जब गांधी परिवार का कोई सदस्य सीटी बजाए तो वे उठकर बैठ जाएं और भीख मांगें। इसके सदस्यों के पास गांधी परिवार की कृपा के बिना सत्ता पाने की कोई तर्कसंगतता, उद्देश्य या उम्मीद नहीं है। वंशवादी सामंतवाद, निश्चित रूप से अन्य पार्टियों में भी स्पष्ट है, जैसे लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव, एचडी देवगौड़ा, जगन रेड्डी, करुणानिधि और अन्य कई। लेकिन कांग्रेस सामंती शासन की अग्रणी और सबसे बड़ी अभ्यासकर्ता रही है।

मनमोहन सिंह वास्तव में शासक नहीं थे : सामंती दरबार में वजीर के पास कुछ शक्तियां होती हैं, लेकिन उसे सत्ता संरचना में अपनी जगह पता होनी चाहिए, अन्यथा उसे अपना सिर खोना पड़ेगा। मनमोहन सिंह वास्तव में शासक नहीं थे, बल्कि सोनिया गांधी ही असली शासक थीं। कांग्रेस पार्टी में गांधी परिवार का दबदबा है और पार्टी के सभी सदस्यों को गांधी परिवार के आगे झुकना पड़ता है। इस व्यवस्था में मनमोहन सिंह एक वजीर की तरह थे, जिनकी शक्तियां सीमित थीं। वे एक अनुभवी नौकरशाह थे, जो विचार प्रस्तावित करते थे, लेकिन अपने बॉस के विरोध करने पर सम्मानपूर्वक पीछे हट जाते थे। वे सोनिया गांधी के लिए आदर्श थे क्योंकि उनके पास कोई राजनीतिक आधार या महत्वाकांक्षा नहीं थी और वे राजवंश के लिए खतरा नहीं बन सकते थे।

मनमोहन सिंह की ईमानदारी : इस डाइनेस्टी ने सभी अन्य वंशों की तुलना में अधिक काला धन कमाया है। इसने मनमोहन सिंह की ईमानदारी के लिए बेदाग प्रतिष्ठा को बहुत उपयोगी पाया। जब घोटाले सामने आए तो इसने वंशवाद को कुछ हद तक कवर प्रदान किया। लेकिन इसने मनमोहन सिंह की अपनी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया। फिल्म 'दबंग' का वह सीन याद है जिसमें मलाइका अरोड़ा सलमान खान के सामने 'मुन्नी बदनाम हुई, डार्लिंग तेरे लिए' गाते हुए नाचती हैं। इसी से एक कार्टून प्रेरित हुआ जिसमें मनमोहन सिंह सोनिया गांधी के सामने 'मुन्ना बदनाम हुआ, डार्लिंग तेरे लिए' गाते हुए नाचते दिखाए गए हैं।

मनमोहन सिंह के सामने ये चुनौती : वंशवादी दृष्टि से, मनमोहन सिंह को शायद एक प्रधानमंत्री के रूप में नहीं बल्कि एक रीजेंट के रूप में आंका जाना चाहिए। मैंने 2005 में, प्रधानमंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल के बाद लिखा था कि उनके दृष्टिकोण को सात आज्ञाओं में अभिव्यक्त किया जा सकता है। उन्हें सोनिया को नाराज नहीं करना है। उन्हें वाम मोर्चे को नाराज नहीं करना चाहिए। उन्हें अपनी शक्तियों की सीमा का परीक्षण नहीं करना चाहिए। मंत्रिमंडल में उन सभी को शामिल करना चाहिए जो इस उद्देश्य में सहायक हो सकते हैं। उन्हें अपने शासनकाल के अंत में वास्तविक वंशवादी उत्तराधिकारियों को बागडोर सौंप देनी चाहिए। इस बीच, आपको ऐसी नीतियां शुरू करने की स्वतंत्रता होगी जो न तो वंश को और न ही गठबंधन के अस्तित्व को खतरे में डालें (जैसे पाकिस्तान और चीन के साथ संबंध सुधारना और मुजफ्फराबाद के लिए बसों की व्यवस्था करना)।

यूपीए-1 की कहानी : UPA-1 की कहानी तब तक यही रही जब तक जॉर्ज बुश ने भारत को परमाणु क्लब की सदस्यता की पेशकश नहीं की। मनमोहन सिंह ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और सोनिया गांधी ने भी अपना आशीर्वाद दिया। इस मुद्दे पर UPA-1 ने वाम मोर्चे से नाता तोड़ लिया, जिससे संसद में हार का खतरा पैदा हो गया। यह साहस रंग लाया। लेकिन जीत सुनिश्चित होने के बाद, मनमोहन सिंह ने एक भयानक आत्मघाती गोल किया। वह किसी भी परमाणु दुर्घटना के लिए देनदारी विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर डालकर विपक्षी दबाव के आगे झुक गए। इस वजह से, कोई भी परमाणु ऊर्जा सौदा आगे नहीं बढ़ रहा है। एक महान परमाणु पहल एक खंड पर कायरता के कारण निष्प्रभावी हो गई है।

यूपीए-2 में कैसे बिगड़े समीकरण : यूपीए-2 की कहानी में अजीब समानताएं हैं, जिसमें ममता बनर्जी ने सरकार को बचाए रखने वाली मुख्य ताकत के रूप में वाम मोर्चे की जगह ले ली, लेकिन अपना हक जताने में सफल रहीं। सोनिया गांधी ने आर्थिक वृद्धि को हल्के में लिया, सुधारों के लिए मनमोहन सिंह की अपील को नहीं सुना और एनएसी को अपना मुख्य मार्गदर्शक और सलाहकार बना लिया। यूपीए-1 ने परमाणु समझौते पर वाम मोर्चे से नाता तोड़ लिया और मूडीज की ओर से 2012 में भारत की क्रेडिट रेटिंग को डाउनग्रेड करने की धमकी दिए जाने के बाद यूपीए-2 ने ममता से नाता तोड़ लिया। इसका मतलब था कि 2014 के चुनावों से पहले अर्थव्यवस्था में 100 बिलियन डॉलर का तत्काल आउटफ्लो हो सकता था। कठोर कार्रवाई की आवश्यकता थी।

जब मनमोहन सिंह ने अपनाया दृढ़ रुख : दूसरी बार, मनमोहन सिंह ने दृढ़ रुख अपनाया और सोनिया ने उनका समर्थन किया। ममता का समर्थन खोने और अल्पमत सरकार बनने के जोखिम को देखते हुए, सोनिया ने एनएसी को छोड़ दिया और मनमोहन सिंह और चिदंबरम को एक नया रास्ता तय करने की अनुमति दी। उनसे विकास को बढ़ावा देने, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और सुधारों को लागू करने के लिए कहा गया। अफसोस, वे तीनों मामलों में विफल रहे। जीडीपी वृद्धि दर 4.5 फीसदी रही, जो पहले हासिल की गई 9 फीसदी की आधी थी। उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति 8-10 फीसदी की सीमा से नीचे नहीं आई।

कितनी बदली तस्वीर : सुधारों के लिए, मल्टी-ब्रांड रिटेल में एफडीआई के नए नियम इतने बोझिल खंडों से भरे हुए थे कि वे बहुत अधिक निवेश नहीं ला पाए। डीजल पर सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाना था, लेकिन पिछले साल रुपये में गिरावट ने आयात मूल्य बढ़ा दिया, इसलिए आज डीजल सब्सिडी पहले की तरह ही अधिक है। निवेश पर कैबिनेट समिति ने 6 लाख करोड़ रुपये की अटकी परियोजनाओं को मंजूरी दे दी, फिर भी इससे पूंजीगत वस्तुओं या निर्माण अनुबंधों के ऑर्डर में कोई उछाल नहीं आया।

नया लाइसेंस परमिट राज क्यों : क्योंकि एक नया लाइसेंस परमिट राज बिना किसी की नजर में आया। पुराना लाइसेंस राज औद्योगिक लाइसेंस, आयात लाइसेंस और विदेशी मुद्रा नियंत्रण पर आधारित था। नया लाइसेंस राज पर्यावरण, वन, आदिवासी क्षेत्रों और भूमि अधिग्रहण पर आधारित था। इन क्षेत्रों में केंद्र और राज्य स्तरों पर नए नियंत्रणों का एक वास्तविक जंगल बनाया गया था। शुरू में, इन नई बाधाओं को रिश्वत के जरिए दूर किया गया था। लेकिन एक बार जब भ्रष्टाचार पर जनता का गुस्सा फूट पड़ा, तो मंजूरी मिलना संभव नहीं था और नए नियंत्रणों की अभेद्य प्रकृति स्पष्ट हो गई। न्यायिक सक्रियता ने नौकरशाहों को कोई भी निर्णय लेने से सावधान किया।

जब मनमोहन सिंह ने पद छोड़ा : मनमोहन सिंह और पी. चिदंबरम का दावा है कि अगर उनके प्रयास न होते तो हालात और भी बदतर होते। हो सकता है, लेकिन यह चुनाव जीतने का मंच नहीं है। अपने 10 वर्षों के अधिकांश समय में, मनमोहन सिंह को उनके आर्थिक कौशल और ईमानदारी के लिए सम्मानित किया गया। वे आर्थिक संकटों और भ्रष्टाचार की गंध के बीच पद छोड़ रहे हैं। क्या वह इस तथ्य में सांत्वना ले सकते हैं कि पिछले छह महीनों में, विदेशी मुद्रा भारत में आ गई है, रुपया मजबूत हुआ है, और शेयर बाजारों में तेजी आई है। काश ऐसा न होता। दुखद तथ्य यह है कि वे इस उम्मीद के कारण फल-फूल रहे हैं कि उन्हें जल्द ही मोदी द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया जाएगा।

मनमोहन की उपलब्धियों की होगी चर्चा : मनमोहन सिंह ने दो साल 8.5 फीसदी की वृद्धि के साथ शुरुआत की और दो साल 4.5 फीसदी की वृद्धि के साथ समाप्त हुए। काश यह उल्टा होता! हालांकि, राजनीतिक करियर का अंत शायद ही कभी खुशी के साथ होता है, जैसा कि उनके पूर्ववर्तियों-वाजपेयी, गुजराल, देवेगौड़ा, नरसिम्हा राव, वीपी सिंह, राजीव गांधी से देखा जा सकता है। हालांकि, लोगों का मूल्यांकन अंततः उनकी असफलताओं से नहीं बल्कि उनके करियर की उपलब्धियों से किया जाता है। उदाहरण के लिए, वीरेंद्र सहवाग को भी मनमोहन सिंह की तरह ही दो साल के खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर होना पड़ा। लेकिन इतिहास की किताबों में दर्ज होगा कि सहवाग भारत के अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज थे। उनकी बाद की असफलताएं उनके गौरवशाली दिनों में उनके वीरतापूर्ण कारनामों को कम नहीं कर सकतीं। यही बात मनमोहन सिंह के मामले में भी सच होगी।

संसद की गरिमा का दांव पर लगना चिन्ताजनक

संविधान-निर्माता भीमराव आंबेडकर को लेकर भारतीय संसद में जो दृश्य पिछले कुछ दिनों में देखने को मिले हैं, वे न केवल शर्मसार करने वाले है बल्कि संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अंबेडकर को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। दोनों पक्षों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हाथापाई भी हुई जिसमें भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को नियमों का पालन करना पड़ेगा। संसद की मर्यादा और गरिमा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय संसद के प्रांगण में जिस तरह की अशोभनीय एवं त्रासद स्थिति का उत्पन्न हुई है, वे हर लिहाज से दुखद, विडम्बनापूर्ण और निंदनीय है। आरोप-प्रत्यारोप की वजह से परिवेश ऐसा बन गया है, मानो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शुद्ध शत्रुता, द्वेष, नफरत की स्थितियां उग्रतर हो गई हो। और तो और, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार जैसे आरोपों को लेकर पुलिस में मामला दर्ज होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। इन दुखद एवं अशालीन स्थितियों का उपचार न किया गया, तो संसद में काफी कुछ अप्रिय एवं अशोभनीय होने की आशंकाएं बलशाली होगी।

कहना न होगा कि देश की संसद लोकतंत्र के वैचारिक शिखर और देश की संप्रभुता को रेखांकित करने वाला शिखर संस्थान है। इसलिए इसकी गरिमा बनाए रखना सभी सांसदों का मूल कर्तव्य बन जाता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा होती है कि वे संसद की गरिमा को भंग न करे, अपना आचरण शुद्ध, शालीन एवं व्यवस्थित रखेंगे और व्यर्थ की बयानबाजी, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार की जगह सार्थक बहस की संभावनाओं को उजागर करें। भारत की परंपरा कहती है कि वह सभा, सभा नहीं, जिसमें शालीनता एवं मर्यादा न हो। वह संसद संसद नहीं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा न करें। वह धर्म, धर्म नहीं, जिसमें सत्य न हो। वह सत्य, सत्य नहीं जो कपटपूर्ण हो। आज संसद में सांसदों का व्यवहार शर्म की पराकाष्ठा तक पहुंच गया है। पूरे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को चुनकर लोकसभा में भेजा है, ताकि वे सांसद के रूप में देश की भलाई के लिए नीति एवं नियम बनाएं, उसे लागू कराएं और जनजीवन को सुरक्षित तथा खुशहाल बनाते हुए देश का विकास करें। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसदगण इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं, लेकिन उनकी कसम बेबुनियाद ही होते हुए संसद की मर्यादाओं को आहत कर रही है। बीते कुछ समय से धरना-प्रदर्शन के साथ सड़क पर राजनीतिक दमखम दिखाने वाले नजारे संसद के दोनों सदनों में भी दिखने लगे हैं। भौतिक रूप से छीना-झपटी और हाथापाई की नौबत भी दिखती रही है और विचाराधीन विषय से दूर एक-दूसरे को हीन साबित करना ही उद्देश्य बन गया है।

संसद का मूल्यवान समय बर्बाद हो रहा है, यह इससे स्पष्ट होता है कि पहली लोकसभा में हर साल 135 दिन बैठकें आयोजित हुई थीं। आज स्थिति कितनी नाजुक हो गई है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि पिछली लोकसभा में हर साल औसतन 55 दिन ही बैठकें आयोजित हुईं। नयी लोकसभा की स्थिति तो और भी दुखद एवं दयनीय है। संसद में काम न होना, बार-बार संसदीय अवरोध होना तो त्रासद है ही, लेकिन धक्का-मुक्की तक नौबत पहुंचना ज्यादा चिन्ताजनक है। कोई भी दल हो, किसी भी दल के सांसद हो, उन्हें यह संदेश देने की जरूरत है कि संसद ऐसे किसी संघर्ष का अखाड़ा नहीं है। संसद और संविधान, दोनों ही सांसदों से उच्च गरिमा एवं मर्यादाओं की अपेक्षा करते हैं। संसद देश की आवाजों और दलीलों का मंच है, यह किसी भी प्रकार की शारीरिक जोर-आजमाइश का मंच न बने, इसी में देश की भलाई है, लोकतंत्र की अक्षुण्णता है। सार्थक और उत्पादक संवाद के लिए हर सांसद को संविधान का ज्ञान, संसदीय परंपराओं की जानकारी एवं उनके प्रति प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। दुर्भाग्य से बहुत कम सांसद ही इस ओर ध्यान देते हैं। मुखर प्रवक्ता के रूप में विपक्ष के कई सांसद अक्सर बेलगाम, फूहड एवं स्तरहीन आरोप-प्रत्यारोप दर्ज कराने में जुट जाते हैं। आधी-अधूरी सूचनाओं या गलत जानकारी के साथ विपक्ष के नेता सरकारी पक्ष को आरोपित करने में जुट जाते हैं, बयानों तो तोड़मरोड़ का प्रस्तुत करते हैं। निश्चित ही विपक्ष लगातार अपनी जिम्मेदारी से विमुख होता दिख रहा है। वह सरकार को घेरने और आरोपित करने के उद्देश्य से संसद के कार्य में अक्सर व्यवधान डालता है। लगता है विपक्ष का मकसद यही हो गया है कि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से न चल सके और सरकार की विफलता दर्ज हो। इस तरह की विपक्ष की बौखलाहट का बड़ा कारण भाजपा की लगातार चमत्कारी जीत है।

सांसदों को समग्रता में सोचना चाहिए कि अगर संसद जोर आजमाइश एवं हिंसा का अखाड़ा होकर बात एफआईआर की राजनीति तक बढ़ेगी, तो संसद का संचालन जटिल से जटिलतर होता जायेगा। संसद में तनाव कोई नई बात नहीं है। तनाव और तल्खी का इतिहास रहा है, पर बहुत कम अवसर ऐसे आए हैं, जब शारीरिक बल का दुरुपयोग देखा गया है। संसद भवन के प्रांगण में ही नहीं, बल्कि देश में कहीं भी सांसदों को ऐसे आमने-सामने नहीं आना चाहिए, जैसे गुरुवार को देश ने देखा है। संसद भवन के प्रांगण में जगह-जगह कैमरे लगे हैं। उन कैमरों की मदद से कम से कम यह तो सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषी कौन है? दुध का दुध एवं पानी का पानी हो और सच सामने आये। सच की जीत हो और झूठ नैस्तनाबूद हो। अगर किसी सांसद के सिर में चोट लगी है, तो यह वैसे भी गंभीर मसला है। भाजपा सांसद सारंगी ने यही बताया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वजह से एक व्यक्ति उनसे टकराया और वह गिर गए। ऐसा ही आरोप कांग्रेस ने भी लगाया है। पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे, पर ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि सच सामने आए। यदि सच सामने न आए, तो कम से कम सभी सांसद ऐसी स्थिति फिर न बनने दें, इसके लिये संकल्पित हो।

शीतकालीन सत्र में आंबेडकर के नाम पर संसद के भीतर-बाहर जो कुछ हो रहा है, उससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल संसद की गरिमा से जानबूझकर खिलवाड़ करने पर तूले है। यह मानना अविश्वसनीय है कि यह धक्का-मुक्की अनजाने में हुई। राहुल गांधी आक्रामक ढंग से एक महिला सांसद के निकट जाकर उन्हें असहज करना तो बहुत ही शर्मनाक एवं कहीं अधिक फूहड़ है। पता नहीं किसके आरोपों में कितनी सच्चाई है, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि उक्त घटना संसद ही नहीं, देश को भी शर्मिंदा करने वाली है। राजनीति का स्तर इतना नहीं गिरना चाहिए कि वह मर्यादा से विहीन दिखने लगे। ऐसी राजनीति केवल धिक्कार की पात्र होती है। संसद की मर्यादा को तार-तार करने वाली ऐसी घटनाएं सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ती कटुता का ही नतीजा है, जो देश के हित में नहीं है। पक्ष-विपक्ष के बीच बढ़ती शत्रुता न केवल भारतीय राजनीति बल्कि लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक हैं। दोनों पक्षों के बीच शत्रु भाव कम होने के कोई आसार इसलिए नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि ऐसे मुद्दे सतह पर लाए जा रहे हैं, जिनका कोई औचित्य नहीं बनता और जिनका मकसद लोगों को बरगलाना एवं गुमराह करना है। बीते कुछ समय से यह जो भय का भूत खड़ा किया जा रहा है कि संविधान खतरे में है, वह राजनीति के छिछले स्तर का ही परिचायक है। कोई बताये तो संविधान कब और कैसे खतरे में आ गया। संसद में ऐसे विषयों को लेकर सार्थक एवं सौहार्दपूर्ण संवाद हो, वाद-विवाद की जगह कटुता न ले, विमर्श और विचार की गंभीरता से ही लोकतंत्र की शक्ति बढ़ेगी। दलगत पसंद और नापसंद स्वाभाविक है, किंतु उससे ऊपर उठकर रचनात्मक भूमिका निभाने का साहस भी जरूरी है।

- ललित गर्ग

स्वदेश प्रेम
E-mail: svadeshprem0@gmail.com

दुनिया में अलग-थलग पड़ा रहता भारत, लेकिन मनमोहन सिंह ने बचा लिया, सरकार तक को लगा दिया था दांव पर

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

डॉ. मनमोहन सिंह आधुनिक भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद रखने वाले प्रख्यात अर्थशास्त्री। आरबीआई के पूर्व गवर्नर। पूर्व वित्त मंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री। दिल्ली के निगम बोध घाट पर शनिवार दोपहर को जब इस महान शख्सियत को आखिरी विदाई दी जा रही थी तब वहां कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के साथ-साथ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, रक्षा मंत्री समेत तमाम हस्तियां मौजूद थीं। पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार हुआ। गुरुवार को उनका 92 वर्ष की उम्र में निधन हुआ था।

मनमोहन सिंह की शख्सियत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह देश के लिए अपनी सरकार तक को दांव पर लगाने से नहीं हिचके थे। परमाणु शक्ति संपन्न होने के बावजूद वैश्विक मंच पर भारत अलग-थलग पड़ा हुआ था लेकिन उन्होंने अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील करके देश को एक वैध न्यूक्लियर पावर के तौर पर स्थापित किया। देश को दशकों से चले आ रहे एनपीटी

और अन्य पाबंदियों के बंधन से आजाद कराया।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 10 साल के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि इंडो-यूएस न्यूक्लियर डील को माना जाता है। इस डील ने भारत को एक बहिष्कृत परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र से दुनिया के मंच पर एक वैध परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बना दिया। इससे दशकों से चले आ रहे NPT और अन्य तकनीकी प्रतिबंधों से मुक्ति मिली। सिंह ने इस डील के जरिये भारत और अमेरिका के रिश्तों को हमेशा-हमेशा के लिए बदल दिया।

मनमोहन सिंह यूपीए-1 सरकार का नेतृत्व कर रहे थे। उनकी सरकार लेफ्ट दलों के बाहरी समर्थन पर टिकी हुई थी। लेफ्ट को अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं था। सरकार को चेतावनी दे दी कि समझौता हरगिज नहीं होना चाहिए, नहीं तो हम सरकार ही गिरा देंगे। लेफ्ट की चेतावनी और धमकियों को दरकिनार कर मनमोहन सिंह अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील पर आगे बढ़ गए। अपनी सरकार को ही दांव पर लगा दिया। लेफ्ट ने डील के विरोध में अपना समर्थन वापस ले लिया लेकिन सरकार बच गई क्योंकि उसने बहुमत का जुगाड़ कर लिया। तब समाजवादी पार्टी मनमोहन सरकार के लिए संकटमोचक साबित हुई।

अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील पर बातचीत वाजपेयी सरकार द्वारा 1998 में किए गए परमाणु परीक्षणों के बाद शुरू हुई थी। तत्कालीन विदेश मंत्री जसवंत सिंह और पूर्व NSA ब्रजेश मिश्रा ने सालों तक बातचीत की और भारत-अमेरिका संबंधों में एक सकारात्मक एजेंडा तलाशना शुरू किया।

हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वाजपेयी की टीम ने NSSP (नेक्स्ट स्टेप्स इन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप) प्रक्रिया के तहत एक क्रमिक दृष्टिकोण अपनाया था। उन्होंने भारत के लिए परमाणु व्यापार करने की छूट की बात शुरू की थी। रूस और फ्रांस का समर्थन हासिल किया था। लेकिन अमेरिका के साथ ज्यादा प्रगति नहीं हुई थी। जब मनमोहन सिंह ने पदभार संभाला, तो उन्होंने एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने का फैसला किया। मार्च 2005 में अमेरिका की तत्कालीन NSA कोंडोलीजा राइस के भारत दौरे के साथ इसकी शुरुआत हुई। उन्होंने बुश प्रशासन की पाकिस्तान को F16 बेचने की मंशा के बारे में भारत को जानकारी दी। लेकिन साथ ही यह भी कहा कि अमेरिका भारत के साथ असैन्य परमाणु सहयोग पर चर्चा करने को तैयार है।

तब मनमोहन सिंह ने इस दिशा में पूरी तरह से आगे बढ़ने और ऐसी प्रतिबद्धताओं के साथ एक रोडमैप बनाने का फैसला किया जो भारत को परमाणु अलगाव से बाहर निकाले। माना जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों से कहा था कि अमेरिका के साथ व्यवहार में कोई आधी-अधूरी बात नहीं होनी चाहिए। और दूसरा, वह आश्वस्त थे कि जब तक भारत के परमाणु हथियारों के दर्जे का मुद्दा हल नहीं हो जाता, तब तक संबंधों की पूरी क्षमता हासिल नहीं हो सकती।

इसी पृष्ठभूमि में भारतीय वार्ताकारों ने अप्रैल और जुलाई 2005 के बीच अमेरिका के साथ बातचीत की। नतीजतन 18 जुलाई के संयुक्त बयान में दोनों पक्षों की व्यापक प्रतिबद्धताएं शामिल थीं। बुश प्रशासन कांग्रेस के साथ काम करने, कानूनों को समायोजित करने, अन्य देशों से भी ऐसा करने के लिए कहने और परमाणु व्यापार शुरू करने पर सहमत हुआ। भारत ने अपनी ओर से असैन्य और सैन्य रिएक्टरों की पहचान करने के लिए पृथक्करण योजना बनाने, असैन्य रिएक्टरों को IAEA की सुरक्षा के तहत रखने और परमाणु परीक्षण पर रोक जारी रखने पर सहमति व्यक्त की।

प्रशासक और राजनेता के रूप में सिंह चीजों को एक साथ रखने में कामयाब रहे। उनका अक्सर दोहराया जाने वाला मंत्र था- 'लोकतंत्र में क्रांति नहीं हो सकती, केवल विकास हो सकता है।' मनमोहन सिंह ने इतने दृढ़ इरादे से केवल एक ही दूसरा मुद्दा आगे बढ़ाया और वह था पाकिस्तान के साथ शांति। लेकिन 26/11 के हमलों के साथ यह शून्य हो गया।

उन्होंने पिछले आतंकी हमलों के बावजूद पाकिस्तान की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया था लेकिन हमारा पड़ोसी अपनी फितरत से कहां बाज आने वाला था। मुंबई आतंकी हमले के साथ भारत-पाकिस्तान के रिश्तों की गाड़ी बेपटरी हो गई जो अबतक बेपटरी ही है।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में मुठभेड़ के बाद अपराधी गिरफ्तार

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में पुलिस के साथ सोमवार देर रात हुई मुठभेड़ के बाद 20 वर्षीय एक आरोपी को गिरफ्तार किया लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी तालिब कथित तौर पर हत्या, झपटमारी, चोरी और शस्त्र अधिनियम के कई मामलों में संलिप्त रहा है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस की एक टीम और तालिब के बीच हुई मुठभेड़ के बाद उसे सीलमपुर के मछली फार्म के पास से गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी के पैर में गोली लगी है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त राकेश पावरिया ने बताया कि तालिब अक्टूबर में सीलमपुर में एक व्यक्ति की हत्या के मामले में भी वांछित था।

पावरिया ने बताया कि हत्या के बाद उसके दो साथियों आसिफ उर्फ टिम्मा और एक किशोर को पकड़ लिया गया था, लेकिन तालिब तब से फरार था।

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सीलमपुर पुलिस थाने की एक टीम ने मछली फार्म के पास जाल बिछाया और सोमवार देर रात करीब 1.40 बजे तालिब वहां दिखा।

अधिकारी ने बताया कि उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया लेकिन उसने पुलिस टीम पर गोलियां चला दीं। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्लीवासियों को मिली सौगात, यमुना नदी पर नया पुल हुआ तैयार

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली। यमुना पर लोहे के पुराने पुल के बराबर में निर्माणाधीन नए पुल पर ट्रैक बिछाने का काम अंतिम चरण में है। एक महीने में इस पर ट्रेनों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है। पुरानी दिल्ली-गाजियाबाद को जोड़ने वाले इस पुल के चालू होने से सेक्शन पर ट्रेनों को रफ्तार मिलेगी। इससे हर साल यमुना की बाढ़ रेलवे ट्रैफिक की राह में बाधा नहीं बनेगी। नए पुल पर ट्रेन चलने से 150 साल पुराना लोहे का पुल इतिहास बन जाएगा। हालांकि, पुल के नीचे ट्रैफिक की आवाजाही चालू रहेगी।

दरअसल, कई बाधाओं को पार कर रेलवे ने इस पुल का निर्माण पूरा करने में कामयाबी हासिल की है। पुराने पुल के बराबर ही नया पुल बनाने की योजना 1998 तैयार की गई थी। वर्ष 2003 में इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ। उस समय लागत करीब 137 करोड़ रुपये आंकी गई थी, लेकिन अड़चनों की वजह से निर्माण कार्य बीच-बीच में रुकता रहा। शुरुआती दौर में ही लालकिले के बगल में सलीमगढ़ का किला इसमें बाधा बना।

सडक हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। सडक़ हादसे में एक युवक की मौत होगई।मामला हर्ष विहार इलाके का है जहां मृतक राम सिंह है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस आरोपी वाहन चालक की पहचान के लिए दुर्घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

मूलरूप से अलीगढ़ का रहने वाला राम सिंह परिवार के साथ किराए के मकान में अभिमान्यु गली मौजपुर में रहता था। उसके परिवार में पत्नी राधिका और एक बेटा है। वह हलवाई का काम करता था। उसने कुछ समय पहले ही बंथला यूपी में प्लाट लिया था। जिसका निर्माण कार्य चल रहा है। शाम के समय वह होटल से खाना लेकर आया और खाना खाने के बाद बाइक लेकर चला गया। देर रात उसकी पत्नी को सूचना मिली की राम सिंह सडक़ हादसे में घायल होगया है।

घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीटीवी फुटेज को खंगाल कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जैतपुर इलाके में निजी बस में आग लगी, कोई हताहत नहीं

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जैतपुर इलाके में एक शादी समारोह के लिए किराए पर ली गई एक निजी बस में आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय बस में कोई नहीं था और इंजन से धुआं निकलते देख चालक तुरंत वाहन से बाहर निकल गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा, ''आज सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर स्कूल चौक से बस में आग लगने की सूचना मिली और दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।'' अधिकारी ने बताया कि एक घंटे के भीतर आग बुझा दी गई। पुलिस ने शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने का संदेह जताया है।

प्रतिबंधित सिगरेट बेचने वाले दो गिरफ्तार

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने प्रतिबंधित अंतरराष्ट्रीय ब्रांड की सिगरेट बेचने वाले दो आरोपियों अर्जुन नगर, कोटला मुबारकपुर, दिल्ली (42) और विजय गुप्ता (49) को गिरफ्तार किया है।

इनके कब्जे से छह लाख रुपये की कीमत की अंतरराष्ट्रीय ब्रांड की 58,500 प्रतिबंधित सिगरेट बरामद की गई हैं

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह के अनुसार शाखा में तैनात इंस्पेक्टर कमल कुमार को एक सूचना मिली थी कि कोटला मुबारकपुर क्षेत्र में प्रतिबंधित सिगरेट बेची जा रही है। इंस्पेक्टर सतेंद्र मोहन के नेतृत्व इंस्पेक्टर कमल कुमार, एसआई आशीष शर्मा, गुलाब सिंह व समय सिंह की टीम ने दुकान नंबर 944, लक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, अर्जुन नगर, कोटला मुबारकपुर, दिल्ली में स्थित गणपति ट्रेडर्स पर 25 दिसंबर को छापेमारी की। यहां चार प्रतिबंधित सिगरेट ब्रांड पाए गए।

इसमें 3300 एस्से लाइट्स सिगरेट थीं। इसके पुलिस ने दुकान चला रहे नरेश गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी नरेश की निशानदेही पर प्रतिबंधित सिगरेट का बड़ा जखीरा मिला।

यहां से सिगरेट एस्से स्पेशल गोल्ड, गुदांग गरम, डनहिल स्विच, जेरम ब्लैक, पेरिस स्पेशल फिल्टर सिगरेट, एस्से लाइट्स, एस्से चेंज और बेन्सन एंड हेजेज ब्रांड की मिली। आरोपी नरेश गुप्ता ने खुलासा किया कि वह मेसर्स वीरेंद्र सिगरेट स्टोर के विजय गुप्ता नामक व्यक्ति के साथ इन प्रतिबंधित सिगरेटों का व्यापार कर रहा था।

पुलिस टीम ने पंजाबी बाजार, कोटला मुबारकपुर, दिल्ली स्थित मेसर्स वीरेंद्र सिगरेट स्टोर के परिसर में छापेमारी कर सिगरेटों की कुल मात्रा 3200 (प्रत्येक की कीमत 10 रुपये) के साथ विजय को पकड़ लिया। जब्त सिगरेट के डिब्बों पर भारत सरकार के परिवार और स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वैधानिक चेतावनी नहीं है।

हथियार के बल पर लूटपाट करने वाले दो नाबालिग को पकड़ा

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली।। वजीराबाद थाना पुलिस टीम ने हथियार के बल पर लूटपाट करने वाले दो नाबालिग को पकड़ा है। पुलिस ने इनके पास से एक खाली देशी पिस्तौल बरामद की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उत्तरी जिला डीसीपी राजा बाँठिया ने बताया कि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज वर्मा की देखरेख में गठित टीम 24 दिसम्बर को क्षेत्र में गश्त पर थी।

इसी बीच एक ऑटो चालक ने भयभीत हालत में पुलिस टीम को बताया कि झारोदा मेट्रो स्टेशन के पास चार लडक़ों ने पिस्तौल की नोक पर उससे 6 सौ रुपये और एक एक फोन लूट लिया है। टीम तुरंत कार्रवाई में जुट गई और झारोदा मेट्रो स्टेशन के पास खड़े चार आरोपियों का पता लगाने में सफल रहे। जब आरोपी पुलिस टीम और ऑटो चालक को देख अलग-अलग दिशाओं में भागने लगे।

हालांकि, लडक़ों में से एक को पकड़ लिया जोकि नाबालिग है। थोड़े समय के पुलिस ने एक और नाबालिग को पकड़ लिया। दो अन्य की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

100 की स्पीड से बेफिक्र होकर दौड़ाइये गाड़ी, 25 मिनट में दिल्ली से पहुंच जाएंगे बागपत

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। राष्ट्रीय राजधानी को देहरादून से जोड़ने वाले 210 किलोमीटर लंबे दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के पहले चरण का काम पूरा हो गया है. अब बस इसके उद्घाटन का इंतजार है. एक्सप्रेसवे का करीब 32 किलोमीटर लंबा पहला हिस्सा नई दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर को यूपी के बागपत जोड़ता है. इसके चालू होने से दिल्ली से बागपत पहुंचने में केवल 25 मिनट ही लगेंगे. अभी अक्षरधाम से बागपत की दूरी तय करने में बहुत ज्यादा समय लगता है क्योंकि वाहनों को गीता कालोनी, खजूरी खास, मंडोला और पंचगांव जैसी घनी आबादी वाली जगहों से गुजरना पड़ता है. एक्सप्रेसेव शुरू होने से दिल्ली से बागपत आने-जाने वालों के साथ ही करावल नगर और मुस्तफाबाद विधानसभा के तहत आने वाली कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को भी आवाजाही में सुविधा होगी.

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के पहले फेज की कुल लंबाई 32 किलोमीटर है. इसमें से करीब 18 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटिड है. एलिवेटेड रोड दिल्ली के शास्त्रीनगर से शुरू होकर लोनी तक जाता है. अक्षरधाम से ईपीई क्रॉसिंग तक यह एक्सप्रेसवे पूर्वी दिल्ली की घनी आबादी से गुजर रहा है. यहां पर 18 किलोमीटर रोड एलिवेटेड बनाया गया है. एलिवेटिड रोड बनने की वजह से गीता कालोनी, खजूरी खास, मंडोला और पंचगांव जैसी घनी आबादी वाली जगहों से वाहनों को नहीं गुजरना होगा. वाहन ऊपर से निकल जाएंगे. इससे बागपत, सहारनपुर और उत्तराखंड जाने वाले वाहन चालकों को जाम से मुक्ति मिलेगी. अक्षरधाम मंदिर से लेकर गीता कॉलोनी श्मशान घाट तक हाइवे का पूरा हिस्सा जमीन पर है.

100 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से दौड़ेंगी कारें : दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के एलिवेटिड हिस्से पर हल्के वाहनों की स्पीड लिमिट 100 किलोमीटर प्रति घंटा और भारी वाहनों की 80 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है. दिल्ली से यूपी जाने वाले ट्रैफिक के लिए 6 लेन वाले एक्सप्रेसवे पर अक्षरधाम, गीता कॉलोनी, शमशान घाट (कैलाश नगर), सोनिया विहार, विजय विहार और मंडोला में एंट्री पॉइंट होंगे. इसी तरह खजूरी चौक, सोनिया विहार, विजय विहार और मंडोला में एग्जिट पॉइंट बनाए जाएंगे. इसी तरह, यूपी से दिल्ली आने वाले ट्रैफिक के लिए मंडोला, विजय विहार और 5वां पुश्ता पर एग्जिट पॉइंट और मंडोला, लोनी, विजय विहार, उस्मानपुर, शमशान घाट (कैलाश नगर), गीता कॉलोनी और अक्षरधाम में एग्जिट पॉइंट बनाए जाएंगे. दिल्ली में एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करने वाले वाहन चालकों को टोल भी नहीं देना होगा.

बागपत यूपी की तरफ से आने वाले जिन लोगों को नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली, कश्मीरी गेट बस अड्डा या सेंट्रल दिल्ली जाना है वे गांमड़ी पांचवां पुश्ता से नीचे उतर जाएंगे. नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली से जिन लोगों को अक्षरधाम और नोएडा की ओर जाना है वे कैथवाड़ा से एक्प्रेसवे पर चढ़ सकते हैं. इससे उन्हें शास्त्री पार्क के साथ-साथ गांधी नगर पुश्ता रोड पर लगने वाले जाम से भी छुटकारा मिल जाएगा. यमुनापार और नोएडा से आने जिन लोगों को आउटर रिंग रोड होते हुए रोहिणी, पीतमपुरा और हरियाणा जाना होता है, उन्हें यह एक्सप्रेसवे हनुमान मंदिर और मजनूं का टीला पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से बचाएगा.

हथियार के बल पर लूटपाट करने वाने तीन बदमाश गिरफ्तार

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली।। ज्योति नगर थाना पुलिस ने लूट के मामले को सुलझाते हुए महज आठ घंटे में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में अश्वनी कुमार, अंकुर त्यागी और मयंक है। अश्वनी पर लूट व चोरी के तीन और मयंक पर चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इनके पास से देशी पिस्तौल एक बाइक और लूटी हुई रकम बरामद की है।

उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी राकेश पावरिया ने बताया कि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर वेद प्रकाश की देखरेख में गठित टीम ने घटनास्थल से जांच शुरू की गई और लगभग 50 कैमरों का विश्लेषण किया गया धुंधली छवि में एक बाइक पर तीन व्यक्तियों को देखा गया। शिकायतकर्ता ने उनकी पहचान की। इसके बाद,

सीसीटीवी फुटेज के आधार और गुप्त सूचना पर, तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह अशोक नगर में अपनी दुकान खोल रहे थे। इसी बीच बाइक पर तीन बदमाश उनकी दुकान में घुस गए और पीडित पर तमंचा तान कर दुकान से छह हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिघला हुआ सोना और जूलरी के साथ रिसीवर समेत 4 गिरफ्तार

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। आईपी एस्टेट थाना पुलिस टीम ने पिघला हुआ सोना और जूलरी के साथ रिसीवर समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में मोहम्मद आमिर, अब्दुल समद, मोहम्मद असद और मोहम्मद साहिल है। पुलिस ने इनके पास से पिघली हुई अवस्था में एक सोने का कंगन (8.44 ग्राम), एक चांदी का पेंडेंट, एक कृत्रिम चेन बरामद की है।

मध्य जिला डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि एसआई मुकेश तोमर (प्रभारी चौकी एलएनजेपी) की देखरेख में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और सीसीटीवी फुटेज का विस्तृत विश्लेषण किया 23 दिसम्बर को एक आरोपी मोहम्मद आमिर को गिरफ्तार

किया। उसके खुलासे के आधार पर सह आरोपी अब्दुल समद को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने चोरी की गई संपत्ति एक सुनार मोहम्मद असद को बेची थी।

मोहम्मद आमिर और अब्दुल समद की निशानदेही पर आरोपी मोहम्मद असद को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से एक चांदी का पेंडेंट और एक कृत्रिम चेन बरामद की गई। उसने सोने का कंगन दूसरे सुनार, मोहम्मद साहिल को बेचने का भी खुलासा किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।इस झगड़े का अंत चाकू से हमला करने पर हुआ।

भजनपुरा में नकली शराब फैक्ट्री का भंड़ाफोड़; ऐसे चल रहा था गोरखधंधा

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली। भजनपुरा थाना क्षेत्र के गांवड़ी में नकली शराब बनाने की फैक्ट्री का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। उत्तर पूर्वी जिले की एएटीएस टीम ने फैक्ट्री पर छापेमारी कर 410 लीटर नकली शराब, पांच बोतल रसायन, आठ सौ खाली बोतलें, पैकेजिंग मशीन, अल्कोहल मीटर, हरियाणा की शराब के लेबल बरामद किए हैं। पुलिस ने दो नाबालिग समेत पांच लोगों को दबोचा है। उनकी पहचान गिरोह के मुख्य सरगना रोहित, राम और आशीष के रूप में हुई है। भजनपुरा थाना ने आरोपितों के खिलाफ एक्साइज समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की है।

पुलिस को नकली शराब बनाने की अवैध फैक्ट्री का चला पता : जिला पुलिस ने बताया कि एएटीएस टीम को सूचना मिली थी कि गांवड़ी में एक मकान में नकली शराब बनाने की अवैध फैक्ट्री चल रही है। एसीपी राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में इंस्पेक्टर योगेश वशिष्ठ, हेड कांस्टेबल पावित कसाना की टीम बनाई गई।

23 दिसंबर की रात को टीम ने फैक्ट्री पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान फैक्ट्री से पांच लोग पकड़े गए, जो नकली शराब बना रहे थे। पानी के बड़े टैंक में नकली शराब भरकर रखी हुई थी। उसी फैक्ट्री में बोतलों में शराब भरकर कार्टन में रखकर पैक की जा ही थी। पुलिस को जांच में पता कि गिरोह का मुख्य सरगना रोहित है।

शराब बनाने के लिए थे कई कर्मचारी, दो नाबालिग भी शामिल : एक माह पहले उसने गांवड़ी में जगह किराये पर ली थी। वह हरियाणा से शराब का कच्चा माल गांवड़ी लेकर आता था। शराब बनाने के लिए कई कर्मचारी रखे हुए थे, उसमें से दो नाबालिग भी थे।

कच्चे माल से फैक्ट्री में शराब तैयार की जाती थी। बोतल में भरने के बाद उस पर हरियाणा का लेबल लगा दिया जाता था। उस शराब को गाजियाबाद व लोनी में बेचा जा रहा था। आरोपितों से पूछताछ कर इनके बाकी साथियों का पता लगाया जा रहा है।

दिल्ली में दक्षिणी पश्चिम जिले की एंटी-नारकोटिक्स यूनिट ने एक अवैध बांग्लादेशी प्रवासी महिला को पकड़ा है। उसे वापस भेजा गया। महिला मुंबई और दिल्ली में रह रही थी। दक्षिणी पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने जानकारी देत हुए बताया कि महिला सोनाली शेख निवासी गांव-सिंगशोलपुर, यूनियन परिषद, खुलना डिवीजन, बांग्लादेश पिछले छह साल से भारत में थी। वह कभी मुंबई तो कभी दिल्ली में रहती थी। विदेशी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर उसे वापस से उसके देश भेज दिया गया है।

स्वदेश प्रेम
E-mail: svadeshprem0@gmail.com

गाजियाबाद: मोहम्मद जुबैर से डासना मंदिर महंत के विवादित बयान मामले में पुलिस पूछताछ, सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी पर 5 जनवरी तक रोक लगाई

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

गाजियाबादः उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती के विवादित बयान के मामले में फैक्ट चेकर मोहम्मद जुबैर से पुलिस ने सोमवार को पूछताछ की। यह मामला तब सामने आया जब जुबैर ने महंत नरसिंहानंद का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इस बयान के वायरल होने के बाद दूसरे समुदाय के लोगों में गुस्सा फैल गया था और उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया था, जिससे माहौल में तनाव उत्पन्न हो गया था। इस बयान के चलते 4

अक्टूबर को डासना देवी मंदिर पर हमले का भी प्रयास किया गया था। इस मामले में पुलिस ने डॉ. उदिता त्यागी की शिकायत पर मोहम्मद जुबैर के खिलाफ माहौल खराब करने की मंशा से विवादित वीडियो पोस्ट करने का मामला दर्ज किया था।

कविनगर थाने के एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार को मोहम्मद जुबैर से करीब दो घंटे तक पूछताछ की गई। उन्होंने यह भी बताया कि मामले में आगे की जांच जारी

जुबैर ने महंत नरसिंहानंद का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इस बयान के वायरल होने के बाद दूसरे समुदाय के लोगों में गुस्सा फैल गया था और...

है। जुबैर के खिलाफ दर्ज मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने यति नरसिंहानंद सरस्वती का विवादित वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाकर समुदायों के बीच तनाव बढ़ाने की कोशिश की। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने मोहम्मद जुबैर को पुलिस जांच में सहयोग करने का आदेश दिया है और उनकी गिरफ्तारी पर 5 जनवरी तक रोक लगाई है। कोर्ट ने कहा है कि जुबैर को जांच में मदद करनी चाहिए, लेकिन गिरफ्तारी पर फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 5 जनवरी को होगी।

यह मामला पहले अक्टूबर में उस समय तूल पकड़ गया था जब डासना देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती का एक बयान वायरल हुआ था, जिसके बाद इलाके में तनाव बढ़ गया। वीडियो के वायरल होने के बाद विरोध और प्रदर्शन तेज हो गए थे। यति नरसिंहानंद का बयान विवादित था, और इसे लेकर उनके खिलाफ भी शिकायतें दर्ज हुई थीं।

अक्टूबर में हुए डासना मंदिर पर हमले के प्रयास के बाद इस मामले ने और भी गंभीर मोड़ लिया। पुलिस ने मामले में गंभीरता से जांच शुरू की और जुबैर से पूछताछ की गई। अब देखना यह होगा कि अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के बाद इस पर क्या फैसला आता है और इस पूरे विवाद का क्या परिणाम निकलता है।

उस मंदिर पर हुई पूजा, जिसके लिए मुसलमानों ने अपनी जमीन से दिया रास्ता

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद में मौजूद मोदीनगर गांव आबिदपुर मानकी में मौजूद प्राचीन शिवलिंग पर पहुंचे बुधवार को हिंदू समुदाय के कई लोग पहुंचे. लोगों ने यहां पूजा की और रुद्राभिषेक किया. यहां हिन्दू युवा वाहिनी के लोग भी पहुंचे. पिछले दिनों यहां कब्रिस्तान की जमीन पर मजार के पास शिवलिंग मिला था. यह वही जगह है जहां पिछले दिनों मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिंदू समुदाय के लोगों को शिवलिंग तक पहुंचने के लिए अपनी जमीन से रास्ता दिया था.

शिवलिंग पर पूजा अर्चना : हिंदू समुदाय के लोगों ने पूजा की शुरुआत हनुमान चालीसा से की. इसके बाद विधि विधान के साथ रुद्राभिषेक किया गया. सभी लोग अपने-अपने घरों से गंगा जल ओर दूध लेकर पहुंचे थे. आपसी सौहार्द्र ना बिगड़े इसके लिए प्रशानिक टीम भी मौजूद थी. मौके पर पुलिस बल को भी तैनात किया गया था. आबिदपुर मानकी गांव मुस्लिम बहुल इलाका है. यहां हिंदुओं की आबादी महज 10 प्रतिशत ही है. लोगो का इल्जाम है कि किसी वक्त हिंदुओं की आबादी ज्यदा थी. धीरे धीरे लोग यह से चले गए. लेकिन अब हिंदू वाहिनी के लोगों का कहना है कि अब हम लोग हमेशा पूजा पाठ के लिए आएंगे.

मजार के पास शिवलिंग : इसी हफ्ते मोदीनगर गांव आबिदपुर मानकी में कब्रिस्तान के पास बने मजार में शिवलिंग मिलने की खबर आई थी. शिवलिंग तक पहुंचने का रास्ता नहीं था. इस पर हिंदू संगठन ने शिवलिंग तक पहुंचने के लिए अलग रास्ता और अहाता बनाए जाने की मांग की थी. मजार को लेकर हिंदू सगठन ने इल्जाम लगाया था कि दूसरे पक्ष के लोगों ने जानबूझकर शिवलिंग के पर मजार बनवा दी फिर शिवलिंग को चारदिवारी में कैद करने की कोशिश की. हालांकि इस मामले को आपसी सहमति से सुलझा लिया गया.

शिवलिंग के लिए दिया गया रास्ता : शिवलिंग तक पहुंचने के लिए मुस्लिम बिरादरी के लोगों ने अपनी जमीन से रास्ता दिया. इसके बाद हिंदू संगठनों ने शिवलिंग का शुद्धिकरण किया और पूजा अर्चना की. इस मामले में प्रशासन की मौजूदगी में बातचीत की गई और शिवलिंग तक पहुंचने के लिए रास्ता दिया गया. पहले शिवलिंग तक पहुंचने वाले रास्ते को एक बाउंड्री वॉल के जरिए अलग किया गया था. अब एक अलग रास्ता है. हिंदू युवा वाहिनी के अध्यक्ष नीरज शर्मा ने मुस्लिम बहुल गांव के लोगों का शुक्रिया अदा किया है. उनका कहना है कि यह काम काफी शांतिपूर्ण तरीके से हुआ, जिसकी वजह से वह गांव का धन्यवाद देते हैं.

58 साल का बुजुर्ग पत्नी और बेटियों से कराता था धंधा, जीता था लग्जरी लाइफ

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

गाजियाबाद. बुजुर्ग पत्नी और बेटियों से गलत काम कराता था. सफेद दाढ़ी और बाल होने की वजह से जल्दी कोई भी बुजुर्ग पर शक नहीं करता था. काफी दिनों से यह काम कर रहा था. इससे जरूरतें पूरी करता था और लग्जरी लाइफ जीता था. गाजियाबाद पुलिस को लंबे समय से इसकी तलाश थी. ट्रोनिका सिटी पुलिस ने गश्त के दौरान बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है. पुलिस इससे पहले बुजुर्ग की बेटी को गिरफ्तार कर चुकी है.

थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने अभियुक्त असगर निवासी ट्रोनिका सिटी गाजियाबाद को गिरफ्तार किया है. उसकी उम्र करीब 58 वर्ष के करीब है. बुजुर्ग लंबे समय से इस काम में लिप्त था. दिल्ली और एनसीआर के शहरों में मादक पदार्थों की सप्लाई करते थे. पुलिस ने इससे पूर्व चेकिंग के दौरान अभियुक्त शाहिद व अभियुक्ता आफरीन पुत्री असगर उम्र करीब 25 वर्ष को गढ़ी कटैया कट चौकी क्षेत्र रामपार्क से गिरफ्तार किया है.

इनके कब्जे से 19 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है. ये माल सप्लाई करने के लिए ले जा रहा था. मौके से अभियुक्त असगर फरार हो गया था, जिसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया था. पुलिस अभियुक्तों से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर यह माल कहां से मंगाता था. पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर अभियुक्त असगर ने बताया कि आफरीन मेरी बेटी है. मैं रिश्तेदार शाहिद से काफी दिनों से गांजा ऑर्डर पर मंगाता था. गांजा के बदले हम रुपये देते थे.

पुलिस ने नए साल पर कामकाजी महिलाओं को दिया तोहफा

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

गाजियाबाद।। इस बार नए साल पर पुलिस ने कामकाजी महिलाओं को बड़ा ही खास तोहफा दिया है। यह तोहफा है महिलाओं को कार्यस्थल से सुरक्षित घर पहुंचाने का। इसके लिए महिला को कार्यस्थल से घर जाने के लिए 112 पर कॉल करनी होगी।

पुलिस की ओर से गाड़ी और सुरक्षा की व्यवस्था की जाएगी। बृहस्पतिवार की सुबह दस बजे से जनवरी की शाम तक यह सुविधा मिल सकेगी।

कामकाजी महिलाओं के अलावा यह सुविधा उन महिलाओं को भी मिलेगी, जो किसी काम से घर से बाहर आई हैं तो वापसी के लिए उन्हें गाड़ी की आवश्यकता हो। काम खत्म हो जाने के बाद वे भी कॉल करके गाड़ी के लिए कह सकती हैं। डीसीपी नगर राजेश कुमार ने बताया कि इसके लिए तैयारियां कर ली गई हैं। पुलिस सुरक्षा में महिला को घर पहुंचाया जाएगा।

शराब पीकर चलाया वाहन तो हवालात में मनेगा नया साल: बृहस्पतिवार से ही पुलिस की टीमें शहर के 26 स्थानों पर 24 घंटे चेकिंग शुरू कर देंगी। हर प्वाइंट पर 10 सिपाही और पांच दरोगा तैनात किए गए हैं। इनकी संख्या बढ़ भी सकती है। शहर में 500 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे।

पुलिस टीमों के पास ब्रीथ एनलाइजर मशीन होगी। इसके वाहन चालकों की जांच होगी। अगर कोई शराब पीकर वाहन चलाते मिला तो उसका नया साल हवालात में मनेगा। पुलिस की ओर से केस दर्ज किया जाएगा।

रील बनाने वालों पर रहेगी पुलिस की खास नजर: नए साल पर हर बार ऐसे कई मामले सामने आते हैं जिनमें लोग कार के बोनट और छत पर बैठकर या खड़े होकर रील बनाते हैं। इस दौरान हादसे भी हो चुके हैं। नए साल पर पुलिस ने ऐसे लोगों पर नजर रखने के लिए खास इंतजाम किए हैं। ऐसे सभी स्थान पहले से चिन्हित कर लिए गए हैं, जहां ज्यादा रील बनाई जाती हैं। इनमें इंदिरापुरम की एलिवेटेड रोड और वेव सिटी की सड़कें शामिल हैं। सभी जगह पुलिसकर्मी कैमरे से लैस होकर तैनात रहेंगे। कोई गाड़ी पर बैठकर या खिड़की से लटककर रील बनाता नजर आता तो उस पर कार्रवाई होगी। सड़क पर आतिशबाजी करने वालों पर भी पुलिस ने कार्रवाई करने की तैयारी की है। साक्ष्य के तौर पर फोटो और वीडियो रखे जाएंगे।

कार्यक्रम की अनुमति के लिए: डीसीपी ने बताया कि नए साल पर शहर में बड़े पैमाने पर आयोजन होते हैं। बगैर अनुमति कोई भी आयोजन नहीं होने दिया जाएगा। अनुमति के लिए कार्यक्रम से 48 घंटे पहले संबंधित थाने में प्रार्थना पत्र देना होगा। पुलिस की जांच के बाद ही अनुमति दी जाएगी।

होटल, रेस्तरां और मॉल के आसपास भी पुलिस टीमें तैनात रहेंगी। एक जनवरी को मंदिरों के पास पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। मुख्य मार्गों पर एंबुलेंस भी तैनात रहेंगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग से पुलिस अफसरों ने बात की है।

गौ वंश के अवशेष मिलने पर हिंदू संगठनों ने हंगामा किया पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

लोनी। लोनी के टीला थाना क्षेत्र में गौकशी की घटना और लोनी बॉर्डर क्षेत्र में भाजपा की जिला महामंत्री से छेडछाड एवं विरोध पर मुस्लिम समुदाय द्वारा पथराव की घटना पर पुलिस की शिथिल कार्यवाहीं से लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर आग बबूला हो गए और लोनी बॉर्डर थाने पहुंच गए। विधेयक नंदकिशोर गुर्जर की उपस्थिति पर पुलिस थाने में हड़कंप मच गया। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखने के अलावा बाकी सभी सभी काम लोनी समेत पूरे जनपद गाजियाबाद में पुलिस द्वारा करवाया जा रहा है गौकशी, सट्टा, नशे का कारोबार फल-फूल रहा है लेकिन कमिश्नर

घर से और दफ्तर से निकलने का प्रयास तक नहीं करते। आलम यह है कि जनपद गाजियाबाद में कानून व्यवस्था अंधेर नगरी चौपट राजा के तर्ज पर चल रही है। पुलिस प्रशासन कान खोलकर सुनले अगर रात में कार्यवाही हो गई होती तो हमें यूं थाने नहीं आना पड़ता। भाजपा नेत्री से मुस्लिम छेड़छाड़ कर रहे है और विरोध करने पर पति समेत सबके साथ मारपीट और पथराव किया गया और थाना आंख बंद करके सोता रहा। अगर भाजपा नेत्र पर पथराव और गौकशी मामले में शाम तक कठोर कार्यवाही सुनिश्चित नहीं हुई तो मजबूरन हम स्वंय कार्यकर्ताओब के साथ न्याय करेंगे। प्रदेश सरकार की छवि को धूमिल करने का ठेका पुलिस ने लिया है जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

निगम से हर माह वेतन ले रहे डेढ़ हजार सफाईकर्मी ड्यूटी से गायब

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

गाजियाबाद।। नगर निगम से हर माह वेतन ले रहे डेढ़ हजार सफाई कर्मचारी ड्यूटी से गायब हैं. गाजियाबाद 311 ऐप पर साढ़े चार हजार में से लगभग तीन हजार कर्मचारी ही ड्यूटी स्थल पर जाकर हाजिरी लगा रहे हैं. ऐसे में निगम अधिकारी मान रहे हैं गायब सफाई कर्मचारी या तो ड्यूटी पर नहीं आते या उनके नाम का वेतन गलत तरीके से कोई और ले रहा है. डेढ़ हजार सफाई कर्मचारियों की जांच कराई जाएगी. शहर के सभी 100 वार्डों में साढ़े चार हजार सफाई कर्मचारी लगाए हैं. ज्यादातर सफाई कर्मचारी ठेके पर हैं. इसके बावजूद पार्षद वार्डों में पर्याप्त सफाई कर्मचारी न होने की शिकायत कर रहे हैं. बोर्ड बैठक में भी पार्षद वार्डों में अतिरिक्त सफाई कर्मचारी लगाने की मांग करते रहे हैं.

सफाई कर्मचारी कम होने की वजह से पार्षद वार्डों में नियमित सफाई नहीं होने की शिकायत भी कर रहे हैं. निगम ने करीब एक साल पहले गाजियाबाद 311 ऐप लांच किया था. इसमें सभी विभाग के कर्मचारियों के लिए ड्यूटी स्थल पर हाजिरी लगाने के आदेश जारी हुए थे. ऐप पर हाजिरी लगाने के साथ ही लोकेशन का पता चलता है. मोबाइल पर संबंधित कर्मचारी के पलकों के झपकने से ही ऐप खुलता है, लेकिन एक साल के दौरान ऐप पर तीन हजार से ज्यादा सफाई कर्मचारी हाजिरी नहीं लगा सके हैं. जबकि नगर आयुक्त ने ऐप पर ही हाजिरी लगाने के कई बार आदेश जारी किए हैं.

पिछले दिनों समीक्षा के दौरान पता चला कि काफी प्रयास करने के बाद भी ऐप पर हाजिरी लगाने वालों का आंकड़ा नहीं बढ़ रहा है. यानी की लगभग तीन हजार सफाई कर्मचारी ही ऐप पर हाजिरी लगा रहे हैं. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि डेढ़ हजार सफाई कर्मचारी कहां है. इनका कुछ पता नहीं चल पा रहा है. जबकि उनका वेतन भी निकल रहा है. वेतन लेकर गायब सफाई कर्मचारियों की तलाश की जाएगी.

शॉर्ट सर्किट से चलती रोडवेज बस में लगी आग, ड्राइवर की सतर्कता से बची 30 यात्रियों की जान

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

शामली।। उत्तर प्रदेश के शामली में जलालाबाद-देहली-सहारनपुर हाईवे पर लोनी डिपो की एक रोडवेज बस में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई. ड्राइवर की सतर्कता के चलते 30 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. दमकल विभाग ने 2 घंटे की मेहनत से आग पर काबू पाया.

बस चालक सुलेमान ने बताया कि सहारनपुर से लोनी जा रही बस (ळइ 17 ऊ 9342) के इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई. आग

का आभास होते ही उन्होंने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. यह घटना शुक्रवार को थाना भवन क्षेत्र के जलालाबाद टोल कैस के पास हुई थी.

फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर पाया काबू : आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची. करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. इस हादसे में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई, लेकिन सभी यात्री, चालक और परिचालक सुरक्षित हैं.

ड्राइवर की सूझबूझ से बची जानें : घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने ड्राइवर सुलेमान की प्रशंसा की, जिन्होंने सूझबूझ का परिचय देते हुए यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला. इस घटना के समय मौके पर अफरा-तफरी मच गई. लोग इधर-उधर दौड़ने लगे, गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी को चोट नहीं लगी. पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की.

अगरबत्ती की चिंगारी से लगी आग, दो सगे भाइयों की झुलसकर मौत

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

गाजियाबाद।। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के लोनी क्षेत्र में मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती की चिंगारी से लगी आग में दो सगे भाइयों की झुलसकर मौत हो गई। सहायक पुलिस आयुक्त सूर्य बली मौर्य ने सोमवार को बताया कि यह घटना लोनी थाना क्षेत्र स्थित प्रशांत विहार में 21/22 दिसंबर की दरमियानी रात को हुई।

उन्होंने बताया कि अरुण (16) और विष्णु (14) अपने कमरे में, जबकि उनके माता-पिता संतोष और नीरज दूसरे कमरे में सो रहे थे, तभी दोनों बच्चों ने मच्छर काटने की शिकायत की, जिसके बाद संतोष ने मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती जलाकर उनके बिस्तर के नीचे रख दी। मौर्य के मुताबिक, देर रात करीब ढाई बजे कमरे से आग की लपटें उठती देख नीरज और संतोष ने उन पर काबू पाने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि शोरगुल सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर कमरे के अंदर दाखिल हुए, लेकिन तब तक अरुण और विष्णु बुरी तरह से झुलस चुके थे।

मौर्य के अनुसार, दोनों बच्चों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि नीरज ऊनी जैकेट का कारोबार करता है और घटना के वक्त लड़कों के बिस्तर के नीचे ऊनी कपड़े की कुछ कतरनें पड़ी थीं। मौर्य ने कहा कि आशंका है कि मच्छर भगाने के लिए जलाई गई अगरबत्ती की चिंगारी से आग भड़की। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाइक सवार दो बदमाशों ने की फायरिंग, डॉक्टर की कार का शीशा टूटा

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

गाजियाबाद। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की उत्तरांचल विहार कॉलोनी में बाइक सवार दो बदमाश ने निजी क्लीनिक के सामने फायरिंग कर दी। गोली लगने से कार का शीशा टूट गया। थाना पहुंचे डॉक्टर ने अज्ञात दो बदमाशों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रकाश कुमार कॉलोनी में क्लीनिक चलाते हैं डॉक्टर : उत्तरांचल विहार कॉलोनी के डॉक्टर प्रकाश कुमार कॉलोनी में ही अपना निजी क्लीनिक चलाते हैं। रविवार को वह अपनी क्लीनिक पर बैठे हुए थे। तभी एक बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और क्लीनिक के सामने गोली चला दी।

डॉक्टर ने बाहर आकर देखा तो गोली कार में लगी थी। जिससे कार का शीशा टूट गया। सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार भास्कर वर्मा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया है।

युवक से कार सवारों ने की मारपीट

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर सेक्टर दो के एक युवक से कार सवार छह लोगों ने मारपीट की। पीड़ित कृष्ण कुमार शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित ने बताया कि एक कार में पांच से छह लोग घर के आसपास चक्कर लगा रहे थे। कॉलोनी के चौकीदार ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो गाली गलौज करने लगे। वह चौकीदार के पास पहुंचे तो सभी ने उनसे मारपीट शुरू कर दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपित युगल कुमार, राजेश कुमार, प्रत्यक्ष राणा, नमन और आदित्य हैं। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि कार में बैठकर नशे की हालत में आपस में गाली गलौज करते हुए कॉलोनी का चक्कर लगा रहे थे। चौकीदार ने उन्हें रोककर पूछा तभी चौकीदार से झगड़ा करने लगे। कृष्ण कुमार शर्मा बीच बचाव करने पहुंचे तो उनसे मारपीट की।

मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

बागपत।। ट्रानिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले युवक ने भाई के साथ मारपीट का आरोप लगाते हुए फैक्ट्री के सामने चाट की ठेली लगाने वाले दो युवकों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है।

बागपत के काठा गांव में रहने वाले ओमवीर सिंह ने बताया कि मेरा ट्रानिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र की एफ-सात सेक्टर ए-एक में मेरा भाई सोहन वीर फैक्ट्री में काम करता है।

पीड़ित ने बताया कि तीन दिन पूर्व मेरी फैक्ट्री के बाहर चाट की ठेली लगाने वाले सोनू व टीटू ने मेरे भाई सोहन वीर के साथ मारपीट की। ये ही नहीं आरोपित ने मेरे भाई को जान से मारने की धमकी दी। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

एनसीआर में वाहन चलाना है दस साल, टैक्स ले रहे 15 साल का

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

गाजियाबाद।। एनसीआर में डीजल वाहनों को दस साल तक चलाने की अनुमति है लेकिन, उनसे 15 साल का कर वसूला जा रहा है। दस साल से पुराने वाहनों को एनसीआर से बाहर कर दिया जाता है या उसका स्क्रैप करा दिया जाता है। इस वजह से लोगों को पांच साल के अतिरिक्त कर का भुगतान करना पड़ रहा है। जनपद में अप्रैल से अब तक करीब 4,500 डीजल वाहनों का पंजीकरण हुआ है। लालकुआं के रहने वाले राकेश निगम ने बताया कि उन्होंने डीजल वाहन लेने के लिए प्लान बनाया लेकिन, पंजीयन के बारे में पता करने पर सामने आया कि उनसे 15 साल के पंजीयन और रोड का शुल्क लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एनसीआर में पेट्रोल वाहन को खरीदना आसान है। पेट्रोल वाहनों का भी 15 साल का ही पंजीयन होता है। इनको 15 साल तक एनसीआर में चलाया जा सकता है। इसके बाद उन्होंने डीजल वाहन छोड़कर पेट्रोल वाहन लेने का मन बना लिया।

जिले में करीब पांच हजार से अधिक दस साल पुराने डीजल वाहन दौड़ रहे हैं। इनको शहर से बाहर करने के लिए संभागीय परिवहन विभाग ने नोटिस भी जारी किया है। वहीं, जांच के दौरान पकड़ में आने वाले वाहनों को या तो एनसीआर से बाहर कर दिया जाता है या उन्हें स्क्रैप कराने के लिए वाहन स्वामी को कहा जाता है। इनमें अधिकतर वाहन ऐसे हैं, जिनकी मियाद कुछ माह पहले ही खत्म हुई है। एनसीआर में डीजल वाहनों की उम्र बढ़ते प्रदूषण के कारण दस वर्ष ही निर्धारित की गई है लेकिन, प्रदेश के अन्य स्थानों पर पांच वर्ष तक इनका संचालन किया जा सकता है। मतलब की प्रदेश के अन्य जनपदों में डीजल वाहनों की मियाद 15 वर्ष है। इसलिए वाहनों से 15 वर्ष का कर वसूला जाता है।

नए साल की पूर्व संध्या से पहले 26 इलाकों पर पुलिस की नजर

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

गाजियाबाद पुलिस शराब पीकर गाड़ी चलाने और स्टंट करने की घटनाओं से निपटने के लिए कमर कस रही है, साथ ही आगामी नए साल की पूर्व संध्या पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी कमर कस रही है, पुलिस ने कहा।

अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने मुख्य सड़कों और इलाकों में 26 अलग-अलग चेक प्वाइंट की पहचान की है, जहां 26 दिसंबर को सुबह 10 बजे से 2 जनवरी तक 24 घंटे जांच की जाएगी।

गाजियाबाद पुलिस अलर्ट पर है और नए साल की पूर्व संध्या से पहले शराब पीकर गाड़ी चलाने और स्टंट करने की घटनाओं की जांच करने के लिए 26 अलग-अलग जगहों पर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि 26 अलग-अलग जगहों पर मोबाइल बैरिकेड्स, ब्रीथ एनालाइजर और लाइटिंग की व्यवस्था की गई है और हर प्वाइंट पर पांच सब-इंस्पेक्टर सहित कम से कम एक पुलिसकर्मी तैनात रहेगा। 'आगामी नए साल के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। हमारा इरादा शराब पीकर गाड़ी चलाने, वाहनों/सड़कों पर स्टंट करने, गुंडागर्दी करने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की घटनाओं की जांच करना है। डीसीपी (शहर) राजेश कुमार ने कहा कि ये व्यवस्थाएं मॉल/रेस्तरां/बैंक्वेट हॉल आदि में की गई व्यवस्थाओं और सावधानियों से अलग होंगी। अधिकारियों ने कहा कि 31 दिसंबर को होटलों, बार, रेस्टोरेंट और इसी तरह के सार्वजनिक स्थानों के बाहर पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा और वे इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए श्वास विश्लेषक के साथ जांच करेंगे।

स्वदेश प्रेम
E-mail: svadeshprem0@gmail.com

'महिला सम्मान योजना के लिए 22 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन, भाजपा को नहीं हो रहा हजम', केजरीवाल का BJP पर हमला

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आतिशी सरकार की महिला सम्मान योजना की जांच के आदेश दिए हैं। इसको लेकर आम आदमी पार्टी ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। आप ने कहा कि जांच के आदेश एलजी कार्यालय से नहीं बल्कि अमित शाह के ऑफिस से आया है।

आप संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भाजपा दिल्ली में महिला सम्मान योजना रोकना चाहती है। उन्होंने कहा कि महिला सम्मान योजना को लेकर ये आदेश एलजी ऑफिस से नहीं, बल्कि अमित शाह के ऑफिस से आया है। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं का सम्मान नहीं करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली चुनाव में हार मान चुकी है।

भाजपा को हजम नहीं हो रहा : केजरीवाल ने कहा कि जनता को उन पर विश्वास है, इसलिए महिला सम्मान योजना के पंजीकरण के लिए महिलाओं की कतारें लग रही हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 22 लाख से ज्यादा महिलाओं ने पंजीकरण कराया है, जो भाजपा को हजम नहीं हो रहा है।

केजरीवाल ने कहा कि हमारी योजनाओं से महिलाएं और बुजुर्ग खुश थे, लोग खूब पंजीकरण करा रहे थे। इनकी नींद हराम थी। इन्होंने हमारे लग रहे शिविरों को रोकने की कोशिश की। इन्होंने पुलिस भेज कर शिविर रोकने की कोशिश की। आज इन्होंने फर्जी जांच के आदेश दिए हैं। ये नहीं चाहते हैं कि महिलाओं को लाभ मिले, महिलाओं का भला हो।

बीजेपी को वोट दिया तो आपको कुछ नहीं मिलेगा : केजरीवाल ने कहा कि भाजपा आप को कुछ देने नहीं आ रही है। जनता को जो कुछ मिल रहा है, वह लेने आ रहे हैं। ये दिल्ली वालों की सभी सुविधाएं बंद कर देंगे। अगर इन्हें वोट दिया तो आप लोगों को कुछ नहीं मिलने देंगे। हम 2100 रुपये वाल योजना को लागू करके रहेंगे। देखते हैं भाजपा वाले कैसे रोकते हैं? मैं सारे दिल्ली वालों से इकट्ठा होने की अपील करता हूं। ये हमें जेल भेजेंगे तो हम 10 बार जेल जाएंगे।

फ्री बिजली-पानी और मुफ्त बस यात्रा बंद कर देंगे: केजरीवाल ने कहा कि BJP ने आज बता दिया कि अगर वह गलती से भी जीत गई तो 'महिला सम्मान योजना' और 'संजीवनी योजना' लागू नहीं होने देगी। अगर आपने गलती से भी बीजेपी को वोट दे दिया तो ये लोग फ्री बिजली-पानी, महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा जैसी योजनाएं बंद कर देंगे।

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 'महिला सम्मान योजना' के जांच के दिए आदेश

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में महिला सम्मान योजना को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने महिला सम्मान योजना के जांच के आदेश दिए हैं। एलजी सक्सेना ने दिल्ली के मुख्य सचिव को इस संबंध में निर्देश दिए हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाए। इससे पहले दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की महिलाओं व बुजुर्गों से जुड़ी संजीवनी और मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजनाओं से दूरी बनाते हुए लोगों को सतर्क किया था।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने उठाएं थे सवाल : महिला एवं बाल विकास विभाग ने विज्ञापन जारी कर कहा था कि ऐसी योजना नहीं हैं, पंजीकरण कर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। विज्ञापन जारी कर लोगों से आग्रह किया है कि अपनी जानकारी साझा करने से बचें।

महिला सम्मान योजना रोकना चाहती है BJP : वहीं एलजी के इस आदेश पर आप ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने कहा कि ये आदेश LG ऑफिस से नहीं, अमित शाह के ऑफिस से आया है। भाजपा महिलाओं का सम्मान नहीं करती है। भाजपा दिल्ली चुनाव में हार मान चुकी है। दिल्ली में महिला सम्मान योजना को महिलाओं का पूरा समर्थन मिल रहा है। अब तक 22 लाख से ज्यादा महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

बता दें, दिल्ली कैबिनेट ने महिला सम्मान योजना के तहत 1000 रुपये देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। वहीं सीएम आतिशी ने कहा था कि चुनाव जीतने के बाद इस राशि को बढ़ाकर 2100 रुपये कर दिया जाएगा। वहीं आम आदमी पार्टी ने चुनाव जीतने के बाद बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना लाने की घोषणा की है। इसके बाद दिल्ली सरकार का महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इन योजना को फर्जी बताया था।

राष्ट्रीय विधिक अन्वेषण आयोग: न्याय और पारदर्शिता की दिशा में नई पहल

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। देश में न्याय और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गठित राष्ट्रीय विधिक अन्वेषण आयोग (National Legal Investigation Commission) ने अपने काम को एक नई दिशा दी है। वरिष्ठ अधिवक्ता, पूर्व पत्रकार और आरटीआई एक्टिविस्ट डॉ. अजय कुमार जैन को दिल्ली स्टेट इंचार्ज के रूप में नियुक्त किया जाना इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर दिल्ली के प्रतिष्ठित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एक भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से आए आयोग के सदस्य, न्यायपालिका के प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, और बॉलीवुड की मशहूर हस्तियां मौजूद रहीं।

भव्य आयोजन का गवाह बना कॉन्स्टिट्यूशन क्लब : कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय विधिक अन्वेषण आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद आलम आराम जी ने की। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और आयोग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी एएस शास्त्री ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर बॉलीवुड अभिनेता शाहबाज खान ने भी शिरकत की और इस पहल की सराहना की।

डॉ. अजय कुमार जैन ने शपथ लेने के बाद अपने संबोधन में कहा, 'यह आयोग न केवल भ्रष्टाचार को उजागर करेगा, बल्कि ऐसी व्यवस्था का निर्माण करेगा, जहां जवाबदेही और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।'

आयोग की आवश्यकता- एक अनिवार्य पहल : डॉ. जैन ने इस आयोग की स्थापना की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'देश में बढ़ते भ्रष्टाचार, अधिकारियों की मनमानी, और जनता को न्याय पाने में हो रही कठिनाइयों ने ऐसे आयोग की स्थापना को अपरिहार्य बना दिया है।'

आयोग का उद्देश्य न केवल भ्रष्टाचार की रोकथाम करना है, बल्कि सरकार, न्यायपालिका और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना भी है।

बॉलीवुड और न्यायपालिका का संगम : इस कार्यक्रम में न्याय और कला का अनोखा संगम देखने को मिला। अभिनेता शाहबाज खान ने इस अवसर पर आयोग के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा, 'यह एक क्रांतिकारी कदम है, जो देश में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम है।' उन्होंने कहा कि अगर इस पहल को जनता का समर्थन मिला, तो यह भारत की न्याय प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव ला सकता है।

आयोग के मुख्य उद्देश्य : राष्ट्रीय विधिक अन्वेषण आयोग को पारदर्शी और निष्पक्ष व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है। इसके मुख्य उद्देश्य हैं:

1. भ्रष्टाचार की रोकथाम: कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त करना।

2.जवाबदेही सुनिश्चित करना: अधिकारियों और सरकारी तंत्र को जनता के प्रति जवाबदेह बनाना।

3.न्याय तक पहुंच: आम जनता को सरल और सुलभ न्याय व्यवस्था उपलब्ध कराना।

4.कानूनी सुधार: न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना।

5.संपर्क और समन्वय: सरकार, न्यायपालिका और प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करना।

डॉ. अजय कुमार जैन का नेतृत्व: एक उम्मीद

डॉ. जैन की नियुक्ति को आयोग के लिए एक ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता और आरटीआई एक्टिविस्ट के रूप में उनका अनुभव और निष्पक्ष दृष्टिकोण इस पद के लिए उन्हें आदर्श बनाता है।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा, 'यह केवल एक आयोग नहीं है, बल्कि यह देश में न्याय और पारदर्शिता के लिए एक आंदोलन है।' उनके नेतृत्व में दिल्ली में आयोग के कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

आगे की दिशा : डॉ. जैन के नेतृत्व में राष्ट्रीय विधिक अन्वेषण आयोग भ्रष्टाचार और न्याय प्रणाली से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रभावी कदम उठाएगा। यह पहल न केवल जनता का विश्वास बहाल करेगी, बल्कि न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाएगी।

न्याय और पारदर्शिता की नई शुरुआत : शपथ ग्रहण समारोह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं था, बल्कि यह एक संदेश था कि भारत अब न्याय और पारदर्शिता की ओर ठोस कदम बढ़ा रहा है। यह आयोग आने वाले समय में देश की न्याय प्रणाली में बड़ा बदलाव लाने में सक्षम होगा। डॉ. अजय कुमार जैन और उनकी टीम के प्रयासों से देश को न्याय और जवाबदेही के एक नए युग की ओर बढ़ने की उम्मीद है।

बिल्कुल मंगलुरु प्लेन क्रैश जैसा! दक्षिण कोरिया में रनवे से फिसलाता गया विमान, 85 की मौत

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। दक्षिण कोरिया में एक बड़ा विमान हादसा हुआ है. यह हादसा में भारत के मंगलुरु में 2010 की एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट क्रैश जैसा था. हालांकि, तब 158 लोगों की मौत हो गई थी और सिर्फ 8 लोगों की जान बच पाई थी. बिल्कुल, कोरिया में भी ऐसा विमान हादसा हुआ था. सवार 181 यात्रियों में से 179 की मौत की आशंका जताई जा रही, वहीं, 85 लोगों की कंफर्म मौत हो गई. अधिकारियों ने बताया कि विमान में सवार बाकी यात्रियों को सुरक्षित निकालने का प्रयास जारी है. वहीं, आग पर काबू पा लिया गया था.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लैंडिंग के दैरान विमान रनवे से फिसलकर एक बाड़ से टकरा गया. टकराने की वजह विमान में तुरंत आग लग गई और चारों ओर धुआं ही धुआं दिख रहा था. दक्षिण कोरिया के आपातकालीन कार्यालय ने कहा कि आग बुझा दी गई है और बचाव अधिकारी दक्षिण कोरियाई शहर मुआन के हवाई अड्डे पर जेजू एयर यात्री विमान से यात्रियों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं. इसने कहा कि लगभग 181 लोगों को लेकर विमान बैंकॉक से लौट रहा था. योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि इस हादसे में 179 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है. स्थानीय टीवी चैनलों ने हादसे के बाद रनवे के पास आग से घिरे विमान से काले धुएं के घने गुबार को दिख रहे है.

भारत जैसा हादसा : मैंगलोर में हुए एक ऐसे ही विमान हादसे की यादें फिर ताजा हो गईं. मई 2010 में, एयर इंडिया का एक विमान मैंगलोर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसलकर चट्टान से टकरा गया था. इस दर्दनाक दुर्घटना में लगभग 160 लोगों की जान चली गई थी.

संसद भवन के सामने आत्मदाह पीड़ित की मौत, पुलिस की बड़ी लापरवाही आई सामने

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली। नए संसद भवन के सामने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास करने वाले युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। वह आरएमएल अस्पताल में भर्ती था और 95 प्रतिशत झुलस गया था।

शुक्रवार तड़के 2.23 बजे उसकी मौत हो गई। दिल्ली पुलिस (अत्प इदतम) के एक अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद जितेंद्र का शव उसके स्वजन को सौंप दिया गया है।

नई संसद की इमारत के पास किया था आत्मदाह : उपायुक्त देवेश मेहला के मुताबिक, बुधवार को उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले जितेंद्र ने अपने शरीर पर पेट्रोल डालकर नई संसद की इमारत के पास आत्मदाह करने की कोशिश की थी।

संसद के पास तैनात सुरक्षाकर्मियों की मदद से आग बुझाई गई और उसे आरएमएल अस्पताल ले जाया गया और बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया। शुरुआती जांच में पता चला था कि जितेंद्र पर वर्ष 2021 में बागपत थाने में मारपीट को लेकर मुकदमा दर्ज कराया गया था।

पीड़ित 95 प्रतिशत तक झुलसा, सांस की नली तक पूरी तरह से जला : इस मामले में वह बागपत पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई न करने से व्यथित होकर उसने यह कदम उठाया। अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह 95 प्रतिशत तक झुलस गया था। और सांस की नली तक पूरी तरह से जल गई थी।

थोड़ा अगर विस्तार से चर्चा करें तो मृतक जितेंद्र उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के छपरौली थाने से करीब 200 मीटर की दूर उसका घर है। यहीं पर उस दूसरे युवक का भी घर है। जो पेशे से होमगार्ड है। जिसका नाम कविंद्र है। वहीं जितेंद्र पेशे से एलएलबी का छात्र था। बीते साढ़े तीन साल में दोनों परिवार के बीच कई बार झगड़ा हुआ।

तीन मुकदमें तो पुलिस नेभी दर्ज किए, लेकिन विवाद को खत्म करने का प्रयास नहीं किया गया। जितेंद्र के परिवार ने तो पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। जितेंद्र के संसद भवन के सामने आत्मदाह की कोशिश करने की घटना ने देशभर में खलबली मचा दी। इस घटना के बाद सवाल उठा रहा है कि आखिर पुलिस किस काम की है।

कर्ज में डूबे किसान परिवार के 4 सदस्यों ने किया सुसाइड

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। आंध्र प्रदेश में सिम्हाद्रिपुरम मंडल के दिद्देकुंटा गांव में शनिवार को एक किसान परिवार के 4 सदस्यों ने अपने खेत में पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतक नागेंद्र (41) कृषक था। उसने 15 एकड़ जमीन पट्टे पर लेकर फसलें उगाई थीं।

फसल के लिए उसने साहूकारों से 20 लाख रुपए से अधिक कर्ज लिया था। फसल बर्बाद होने के कारण किसान को हालांकि बहुत घाटा हुआ। बाद में साहूकारों ने किसान परिवार पर पैसा चुकाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

कर्ज के लिए साहुकार पर प्रताड़ना के आरोप : साहूकारों का कर्ज नहीं चुका पाना और उनकी प्रताड़ना से तंग आकर नागेंद्र (41), अपनी पत्नी वाणी (38), बेटी गायत्री (12) और भार्गव (11) के साथ खेत में गए और एक पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने आशंका जताई कि किसान दंपति ने पहले अपने बेटे और बेटी की हत्या की होगी और फिर खुद फंदे पर लटक गए होंगे। इस घटना से दिद्दीकुंटा गांव में मातम पसर गया।

जिला प्रभारी एस. सविता ने डीएम से की फोन पर बात : कृषि मंत्री के अत्चन्नायडू ने किसान परिवार की आत्महत्या पर दुख और शोक व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को किसान परिवार की आत्महत्या के मामले में जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। कडप्पा जिले की प्रभारी मंत्री एस. सविता ने जिला कलेक्टर से बात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने मृतक किसान के माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया।

देशवासियों से करें बेहतर संबंध स्थापित...

मस्जिदों की सुरक्षा के लिए जमीयत ने बनाया प्लान

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। नई दिल्ली में आईटीओ स्थित जमीयत मुख्यालय के मदनी हॉल में जमीयत उलेमा-ए-हिंद कार्यकारिणी समिति की बैठक की गई. जिसमें देश की वर्तमान सांप्रदायिक स्थिति को लेकर चर्चा की गई. संभल सहित देश के विभिन्न हिस्सों में मस्जिदों और दरगाहों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाईयों पर बात की गई.इसके साथ ही पूजा स्थल अधिनियम और वक्फ संशोधन विधेयक जैसे मामलों पर कमेटी आगे का प्लान बनाया गया. मौलाना महमूद असद मदनी ने देश में बढ़ रही सांप्रदायिकता और नफरत के माहौल पर चिंता जाहिर की. उनका कहना था कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए सुव्यवस्थित प्रयासों की आवश्यकता है.इस बैठक में दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी समेत देशभर से जमीयत सदस्य शामिल हुए. जिसमें देश के अलग-अलग क्षेत्रों में होने वाली घटनाओं और समस्याओं पर प्रकाश डाला और रिपोर्ट पेश की.

बेहतर संबंध स्थापित करने का प्रयास करें : जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना ने कहा कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें व्यवस्थित तरीके से काम करना होगा. ताकि न केवल इन खतरों का सामना किया जा सके, बल्कि अपने बुनियादी संवैधानिक अधिकारों की भी प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सके.

मौलाना मदनी ने कहा कि हम हमेशा से इस बात के पक्षधर रहे हैं कि सांप्रदायिकता का जवाब साम्प्रदायिकता से नहीं दिया जा सकता है. लेकिन, समाज में फैलाई जाने वाली गलतफहमियों का उचित और तर्कसंगत जवाब देना भी समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है. मौलाना मदनी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय को चाहिए कि वह अपने चरित्र और आचरण के जरिए न केवल अपनों के दरमियान एकता पैदा करें, बल्कि देशवासियों के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने का प्रयास करें.

सरकार अपनाए कड़ा रुख : कार्यकारिणी समिति की सभा ने विभिन्न परिस्थितियों की समीक्षा करने के बाद संभल में हुई घटना पर चिंता व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि इस संबंध में सरकार को जल्द से जल्द न्यायालय में कड़ा रुख अपनाना चाहिए. ताकि देश में संभल जैसी घटना न हो. जमीयत उलेमा-ए-हिंद देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नजरिए से इस मुद्दे को देखती है, इसलिए अदालत में भी इस मुद्दे की पूरी ताकत से पैरवी करेगी. कार्यकारिणी समिति ने वक्फ संशोधन विधेयक पर जमीअत उलेमा-ए-हिंद द्वारा किए गए प्रयासों की समीक्षा की और संतोष व्यक्त किया.

नए कार्यकाल को लेकर क्या हुई बात : सभा में नए कार्यकाल 2024-27 के लिए जमीयत उलेमा-ए-हिंद के नए सदस्य बनाने की प्रक्रिया की घोषणा भी की गई. सदस्यता अभियान की अवधि 1 अप्रैल 2025 तक चलेगी. इसके बाद, विभिन्न इकाइयों के चुनाव 31 मई 2025 तक होंगे. बैठक के दौरान यह भी चर्चा की गई कि पिछले कार्यकाल में हमारी 6800 स्थानीय इकाइयां थीं. इस बार पूरे देश में अधिक से अधिक इकाइयां बनाने का लक्ष्य है. मौलाना मदनी ने इस प्रक्रिया में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों के पालन पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि जमीयत एक संवैधानिक और लोकतांत्रिक संगठन है और इसे बनाए रखना अहम है.

फरवरी में होगा सम्मेलन : कार्यकारिणी समिति ने वक्फ संशोधन विधेयक पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रयासों की समीक्षा की. इस विषय पर राज्य इकाइयों को विशेष निर्देश दिए गए. इनके अलावा, फरवरी 2025 में एक सम्मेलन आयोजित करने का फैसला लिया गया, जिसमें मुस्लिम देशवासियों के योगदान को उजागर किया जाएगा.

लोन रिकवरी के लिए ग्राहकों की मॉर्फ तस्वीर बनाकर करते थे ब्लैकमेल, दो एजेंट गिरफ्तार

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

देश की राजधानी दिल्ली में लोन रिकवरी के नाम पर तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर लोगों को बदनाम करने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है.दिल्ली पुलिस ने लोन रिकवरी के लिए पीड़ितों की तस्वीरों को आपत्तिजनक रूप में मॉर्फ करने के आरोप में इन्हें पकड़ा है. गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कपिल और हिमांशु के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, आरोपी एक चीनी व्यक्ति से पीड़ितों का डेटा प्राप्त करते थे. यह डेटा फ्लेक्सी लोन कंपनी ऐप के माध्यम से लोन लेने वालों का होता था, जिसमें उनकी व्यक्तिगत जानकारी और तस्वीरें शामिल होती थीं.

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक हिमांशु पीड़ितों का डेटा और तस्वीरें कपिल को भेजता था. इसके बाद कपिल उन तस्वीरों को मॉर्फ कर उन्हें अश्लील रूप में बदल देता था. ये तस्वीरें पीड़ितों पर दबाव बनाने और लोन की रकम वापस वसूलने के लिए इस्तेमाल की जाती थीं.

पुलिस ने आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन और कई सिम कार्ड बरामद किए हैं. इस मामले की जांच कर रहे अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के इस गिरोह के पीछे कई और लोग जुड़े हो सकते हैं. मामले की गहराई से जांच की जा रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस तरह की गतिविधियों में और कौन-कौन शामिल हैं. पुलिस ने इस घटना को बेहद गंभीर बताया है और कहा कि यह न केवल निजता के अधिकार का उल्लंघन है, बल्कि साइबर अपराध और मनोवैज्ञानिक शोषण का भी मामला है. पीड़ितों को न्याय दिलाने और इस प्रकार के अपराधों को रोकने के लिए आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. इस घटना ने ऑनलाइन लोन ऐप्स और उनकी रिकवरी प्रक्रियाओं से जुड़ी खामियों को भी उजागर कर दिया है. पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने और किसी भी ऐसे संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने की अपील की है.

कुछ नहीं करना, सिर्फ चढ़ना है सीढ़ियां ! हड्डियां तो होंगी मजबूत

कब्ज से छुटकारा पाने के लिए फाइबर से भरपूर फूड्स का सेवन करना चाहिए और खूब पानी पीना चाहिए. एक्सपर्ट की मानें तो अगर तीन हफ्तों से ज्यादा कब्ज रहे, तो बवासीर का खतरा बढ़ सकता है.

आजकल जैसे-जैसे शहरीकरण हो रहा है, बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों में भी सीढ़ियों की जगह लिफ्टों ने ले रही है. जिसके कारण बहुत से लोग अब सीढ़ियों की जगह लिफ्ट का इस्तेमाल करने लगे हैं. हालांकि, आपको यह जानकर हैरानी होगी कि सीढ़ियां चढ़ना आपकी रोज़मर्रा की एक्टिविटी को एक बेहतरीन फिटनेस एक्सरसाइज में बदल सकता है. बता दें कि चाहे ऑफिस में लिफ्ट की जगह सीढ़ियां चढ़ना हो या घर पर थोड़ी देर के लिए सीढ़ी चढ़ने का समय निकालना, यह आसान एक्टिविटी आपके स्वास्थ्य को कई तरह से लाभ पहुंचाती है. दिल को मजबूत करने से लेकर मानसिक सेहत को बेहतर बनाने तक, तो चलिए इसके शरीर के लिए फायदे जानते हैंठ

सीढ़ी चढ़ने के लाभ

कैलोरीः बता दें कि सीढ़ी चढ़ने से बैठने की तुलना में 8.6 से 9.6 गुना अधिक ऊर्जा जलती है. पबमेड में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, सिर्फ 10 मिनट का सीढ़ी चढ़ना वजन कंट्रोल करने और मेटाबोलिज़्म को बढ़ाने में मदद मिलती है.

हार्ट हेल्थ में सुधारः नियमित सीढ़ी चढ़ने से हृदय की फिटनेस बढ़ती है, जिससे कोरोनरी दिल की बीमारी और स्ट्रोक का खतरा कम होता है.

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करनाः सीढ़ी चढ़ने से रक्त वाहिकाओं की लचीलापन बढ़ता है, जिससे उच्च रक्तचाप नियंत्रित होता है. भोजन के बाद नियमित रूप से सीढ़ी चढ़ने से ब्लड प्रेशर और सर्कुलेशन में मदद मिलती है.

पैरों की मांसपेशियां मजबूत करनाः यह गतिविधि आपके क्वाड्रिसेप्स, हैमस्ट्रिंग, और ग्लूट्स को काम में लाती है, जिससे शरीर की ताकत बढ़ती है.

एरोबिक फिटनेस में सुधारः सीढ़ी चढ़ने से एरोबिक क्षमता बढ़ती है, दिल और फेफड़े अधिक प्रभावी ढंग से काम करते हैं.

ब्लड शुगर नियंत्रित करनाः भोजन के बाद सीढ़ी चढ़ने से पोस्ट-प्रांडीएल ग्लूकोज स्तर को कम किया जा सकता है, जो खासतौर पर प्रीडायबिटीज और टाइप 2 डायबिटीज़ के लिए लाभकारी है.

हड्डियों की सेहतः यह वजन सहन करने वाली एक्सरसाइज है, जो हड्डियों को मजबूत बनाती है और ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम करती है.

मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद : सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि सीढ़ी चढ़ना न केवल शरीर के लिए फायदेमंद है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत ही ज्यादा लाभकारी है. बता दें कि यह एंडोर्फिन्स रिलीज़ करता है, जो तनाव चिंता और अवसाद को कम करते हैं. यही नहीं, यह वजन को नियंत्रित करने और दीर्घायु को बढ़ाने में भी सहायक है.

डार्क सर्कल की वजह से खूबसूरती हो गई गायब? काम आएगा ये होममेड आई पैक

डार्क सर्कल्स न केवल आपकी आंखों की खूबसूरती को कम कर देते हैं, बल्कि आपकी पूरी पर्सनैलिटी पर भी असर डालते हैं. अगर आप भी डार्क सर्कल्स और चेहरे के दाग-धब्बों से परेशान हैं, तो महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर खर्च करने की जरूरत नहीं. आज हम आपको बताएंगे एक ऐसा होममेड आई पैक, जो आपकी आंखों के नीचे की त्वचा को न केवल साफ करेगा, बल्कि चेहरे के अन्य दाग-धब्बों को भी दूर करेगा.

इसके लिए आपको बस 3 चीजों की जरूरत पड़ेगी. तो चलिए जानते हैं कि डार्क सर्कल हटाने के लिए होममेड आई पैक कैसे बनाएं.

डार्क सर्कल हटाने के लिए ऐसे बनाएं होममेड आई पैक-

सामग्रीः

- 2 चम्मच एलोवेरा का ताजा जेल
- 1 चम्मच चावल का पाउडर
- चुटकीभर हल्दी

बनाने का तरीकाः सबसे पहले एक कटोरी में एलोवेरा के पत्ते से ताजा जेल निकालें. ताजा एलोवेरा जेल अधिक फायदेमंद होता है. अब इसमें 1 चम्मच चावल का पाउडर मिलाएं. चावल का पाउडर त्वचा को एक्सफोलिएट करने और निखारने में मदद करता है. अब इसमें चुटकीभर हल्दी डालें. हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ बनाते हैं. सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें.

कैसे करें इस्तेमाल : इस पेस्ट को अपनी आंखों के नीचे हल्के हाथों से लगाएं. करीब 15-20 मिनट तक इसे सूखने दें. अब गुनगुने पानी से इसे धो लें. इसे हफ्ते में 2-3 बार इस्तेमाल करें धीरे धीरे दाग गायब हो जाएगा और स्किन ब्राइट दिखेगी.

कैसे काम करता है ये पैक : एलोवेरा जेल त्वचा को हाइड्रेट करता है और डार्क सर्कल्स को हल्का करने में मदद करता है. चावल का पाउडर त्वचा को एक्सफोलिएट करता है और त्वचा की चमक बढ़ाता है.

जबकी हल्दी त्वचा के दाग-धब्बे दूर करती है और त्वचा को संक्रमण से बचाती है. इस होममेड पैक का नियमित इस्तेमाल आपके डार्क सर्कल्स और चेहरे के दाग-धब्बों को धीरे-धीरे गायब कर देगा. खास मौकों पर ग्लोइंग और बेदाग त्वचा के लिए आज ही इसे ट्राई कर सकते हैं.

नाश्ते को इस समय में करें तो शुगर लेवल रहेगा कंट्रोल

एक रिसर्च मे यह बात सामने आई है कि यदि ब्रेकफास्ट को सही समय पर नियत कर लिया जाए तो ब्लड शुगर बहुत हद तक कंट्रोल हो सकता है. यह अध्ययन ऑस्ट्रेलिया यूनिवर्सिटी के शोधकताओं ने किया है.

डायबिटीज न हो, इसके लिए हेल्दी डाइट और रेगुलर एक्सरसइज पहली प्राथमिकता है लेकिन अगर डायबिटीज है तो इस मैनेज करने के लिए शोधकर्ताओं ने एक बेहतरीन तरीका खोज निकाला है.हाल ही में किए गए एक शोध से पता चला है कि यदि आप नाश्ता सुबह 9:30 बजे से लेकर 12 बजे के बीच करते हैं, तो यह आपके ब्लड शुगर लेवन मेंअधिक सुधार सकता है.

शोधकर्ताओं ने पाया कि मिड मॉर्निंग में नाश्ता करने से पोस्टप्रांडियल ग्लाइसीमिया (खाने के बाद रक्त शर्करा का स्तर) सुबह जल्दी नाश्ता करने की तुलना में अधिक कम हो सकता है. इसके अलावा शोधकर्ताओं ने यह भी बताया कि अगर आप सुबह 7 बजे या 12 बजे नाश्ता करने के बाद 20 मिनट तक पैदल वॉक करते हैं तो पोस्टप्रांडियल ग्लाइसीमिया में और कमी आ जाएगी.

नाश्ते के बाद वॉक जरूरी : साइंस डायरेक्ट के मुताबिक अध्ययन में यह भी पाया गया कि अगर कोई व्यक्ति पहले नाश्ते से पहले वॉक कर लेता है और 9:30 बजे सुबह बेशक नाश्ता कर लेता है तो इससे शुगर लेवल में कोई कमी नहीं आती.शुगर लेवल में तभी कमी आती है जब आप नाश्ता कर लें और उसके बाद टहलने जाएं.इस अध्ययन के लेखकों ने कहा कि जब इस अभ्यास को लंबी अवधि तक अपनाया जाता है तो यह शुगर मैनेजमेंट में बेहतर रिजल्ट दे सकता है.

साथ ही बढ़े हुए शुगर के कारण जिन बीमारियों का खतरा रहता है वह भी कम हो जाता है.इससे इंसुलिन रेजिस्टेंस को कम किया जा सकता है और शुगर के कारण हार्ट पर आए खतरे यानी कार्डियोमेटाबोलिक जोखिमों को भी कम किया जा सकता है.

अध्ययन में किया गया प्रयोग : शोधकर्ताओं ने अध्ययन को साबित करने के लिए प्रयोग में कुछ लोगों को शामिल किया. इन लोगों को पहलसेसे टाइप 2 डायबिटीज था. इन लोगों को तीन नाश्ता समूहों में बांट दिया गया. कुछ लोगों को सुबह 7 बजे नाश्ता करने के लिए कहा गया जबकि कुछ लोगों को सुबह 9:30 बजे नाश्ता करने के लिए कहा गया. वहीं कुछ लोगों को 12 बजे नाश्ता करने के लिए कहा गया. प्रत्येक प्रतिभागी को नाश्ता करने के 30-60 मिनट बाद 20 मिनट तक चलने के लिए कहा गया.उन्हें अपने भोजन सेवन और सोने की आदतों को रेखांकित करने के लिए कई तरह के सवाल पूछे गए. इस दौरान लगातार शुगर जांच और बीपी जांच की गई.

देर नाश्ते करने वालों में गजब का फर्क : अध्ययन के परिणामों से पता चला कि नाश्ते के समय को बदलने से प्रतिभागियों कैलोरी को लेने या भोजन की आवृत्ति में कोई खास बदलाव नहीं आया.लेकिन यह पता चला कि नाश्ते के समय बदलाव ने शुगर पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला. जिन लोगों ने मिड मॉर्निंग नाश्ता किया उनके शुगर लेवल में 57 mmol/L×2h और 12 बजे नाश्ता करने वाले के शुगर लेवल में 41 mmol/L×2h की कमी देखी गई. वहीं दूसरी ओर जल्दी नाश्ता करने वालों में कोई कमी नहीं देखी गई. साढ़े 9 बजे के बाद नाश्ता करने का शुगर लेवल पर जो प्रभाव दिखा वह तो दिखा ही, साथ ही शुगर लेवल बढ़ जाने के कारण जो वाइटल ऑर्गेन पर दबाव पड़ता है उसमें भी कमी आई. वैसे एक्सपर्ट का हमेशा कहना है कि डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए हेल्दी डाइट और रेगुलर एक्सरसाइज जरूरी है.

कचरा समझकर फेंक देते हैं लहसुन के छिलके? इनसे बनाएं होममेड गार्लिक पाउडर

लहसुन के छिलके अक्सर हमारी किचन में बेकार समझे जाते हैं, जिन्हें हम बेकार समझकर सीधे कचरे के डिब्बे में फेंक देते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन छिलकों का उपयोग कर आप घर पर फ्लेवरफुल गार्लिक पाउडर बना सकते हैं? जी हां, लहसुन का छिलका एक बेहतरीन सीजनिंग इंग्रेडिएंट है, जो आपकी कई रेसिपीज में एक नया और दिलचस्प स्वाद डाल सकते हैं. इसे आप सब्जी, सूप, करी, नूडल्स, पिज्जा, सलाद या किसी भी डिश में स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं. यह न केवल फ्लेवर को बढ़ाता है, बल्कि हेल्थ के लिए भी फायदेमंद है. तो आइए जानते हैं कि गार्लिक यानी लहसुन के छिलकों की मदद से आप किस तरह गार्लिक पाउडर बना सकते हैं.

गार्लिक पाउडर बनाने की विधि : सबसे पहले लहसुन के छिलकों को अच्छे से धो लें. जिससे उन पर कोई गंदगी या कीटनाशक हो तो हट जाए. फिर इन छिलकों को धूप में अच्छे से सूखा लें. अगर धूप में सूखा नहीं सकते तो ओवन में भी इन्हें थोड़ा सुखाया जा सकता है. सूखने के बाद, छिलकों को ग्राइंडर में डालकर अच्छे से पीस लें. इस पाउडर को किसी एयरटाइट कंटेनर में रख लें और जब भी जरूरत हो, इसका इस्तेमाल करें.

आप इसे आटा गूंथते समय, सलाद या सूप बनाते समय, चावल में फ्लेवर एड करने आदि के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं. ये टेस्ट को यूनीक बनाएगा और रेस्टोरेंट जैसा स्पेशल बनाएगा.

अगली बार जब आप लहसुन का उपयोग करें, तो उसके छिलकों को बाहर फेंकने के बजाय उन्हें किसी कंटेनर में स्टोर करें और जब ये काफी मात्रा में जमा हो जाएं तो इनका पाउडर बनाकर कुकिंग में इस्तेमाल करें.

क्या है मूली खाने का बेस्ट टाइम? इस वक्त खाएंगे तो तबीयत खराब होने का खतरा

मूली को सेहत के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है, लेकिन खाली पेट मूली खाने से बचने की सलाह दी जाती है. कई लोग यह भी मानते हैं कि रात के वक्त मूली नहीं खानी चाहिए. अब सवाल है कि मूली खाने का बेस्ट टाइम क्या होता है? चलिए एक्सपर्ट से जान लेते हैं.

मूली को बेहद पौष्टिक सब्जी माना जाता है और इसका सेवन करने से सेहत को गजब के फायदे मिल सकते हैं. मूली में विटामिन ए, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी खासी मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को सुधारने, वजन घटाने और त्वचा की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करती है. इसके अलावा मूली का सेवन ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में भी मदद करता है. हालांकि मूली का सेवन सही समय पर न किया जाए, तो इससे फायदे के बजाय नुकसान भी हो सकते हैं. आज आयुर्वेदिक डॉक्टर से जानेंगे कि मूली खाने का बेस्ट टाइम क्या होता है.

यूपी के हाथरस स्थित प्रेम रघु आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सरोज गौतम ने टै18 को बताया कि आयुर्वेद में दोपहर के वक्त मूली का सेवन करना सबसे फायदेमंद बताया गया है. दोपहर में मूली खाने से इसे पचाना आसान होता है और सेहत को सबसे ज्यादा फायदे मिलते हैं. मूली में अच्छी मात्रा में फाइबर और पानी होता है, जो पाचन प्रक्रिया को गति देने में मदद करता है. अगर मूली को सलाद के रूप में खाया जाए तो यह खाने को हल्का बनाती है और पेट को साफ रखती है. अगर आप सुबह-सुबह मूली खाते हैं, तो यह आपके पेट में गैस या ऐंठन जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है. खासतौर से अगर आपका पाचन तंत्र कमजोर है, तो इससे बचना चाहिए.

आयुर्वेदिक डॉक्टर की मानें तो रात के समय मूली का सेवन करने से बचना चाहिए, क्योंकि रात को पाचन प्रक्रिया धीमी होती है. मूली में फाइबर और पानी की अधिकता होती है, जो रात के समय पाचन में दिक्कत पैदा कर सकती है. इसके कारण पेट में गैस, सूजन या अपच की समस्या हो सकती है. अगर आप रात को मूली खाते हैं, तो खाना रात भर पेट में पड़ा रहेगा, जिससे आपको नींद में भी परेशानी हो सकती है. इसके अलावा मूली में मौजूद रासायनिक तत्व कुछ लोगों को एलर्जी भी दे सकते हैं और रात के समय तबीयत खराब हो सकती है.

क्या खाली पेट मूली खा सकते हैं? इस पर डॉक्टर सरोज गौतम ने बताया कि मूली को खाली पेट खाने से भी कुछ समस्याएं पैदा हो सकती हैं. मूली में कई ऐसे तत्व होते हैं, जो पेट में ज्यादा एसिड पैदा कर सकते हैं. ये एसिडिटी, गैस और पेट में जलन जैसी समस्याओं का कारण बन सकते हैं. इसलिए अगर आप मूली का सेवन करना चाहते हैं, तो उसे किसी अन्य चीज के साथ लेना बेहतर होता है. खाने के साथ सलाद के तौर पर मूली खाने से आपके पाचन तंत्र पर दबाव नहीं पड़ता है और इसके पोषक तत्वों का बेहतर अब्जॉर्प्शन होता है.

सर्दी में अगर हो गई इस विटामिन की कमी तो शरीर का हो जाएगा बुरा हाल

सर्दी में जब तापमान में अचाक कमी आ जाती है तो हर तरह से हमारे शरीर पर इसका असर पड़ता है. एक तो वातावरण में नमी के कारण असंख्य हानिकारक सूक्ष्मजीव पनपने लगते है जिससे शरीर पर इसका हमला बढ़ जाता है दूसरा हमारा मूवमेंट कम हो जाता है जिसके कारण शरीर में शिथिलता आ जाती है. इससे शरीर के हर अंग पर असर पड़ता है. इन सबके बीच सर्दी में एक तो धूप की कमी हो जाती है दूसरा लोग बाहर भी कम जाते हैं. इस कारण विटामिन डी की भारी कमी हो जाती है. विटामिन डी की कमी होने से पूरे शरीर का सिस्टम हिल जाता है. विटामिन डी की कमी हो जाएगी तो कैल्शियम का अवशोषण भी नहीं होगा इस कारण सबसे अधिक हड्डियों पर असर पड़ेगा. रिसर्च के मुताबिक विटामिन डी की कमी के कारण हड्डियों की कमजोरी के अलावा डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का जोखिम भी बढ़ जाता है.

इन बीमारियों के हो जाएंगे शिकार : एनसीबीआई की रिपोर्ट में कहा गया कि अगर सर्दी में विटामिन डी की कमी हो जाए तो सबसे पहले शुगर लेवल बढ़ने लगता है. वहीं ब्लड प्रेशर भी तेजी से शूट करने लगता है. विटामिन डी की कमी का सबसे ज्यादा असर हड्डियों पर पड़ता है. सर्दी के मौसम में विटामिन डी की कमी से हड्डियों में फ्रेक्चर का डर रहता है. सर्दी में विटामिन डी की कमी से ऑस्टियोमेलोसिस, रिकेटस, मसल्स वीक की शिकायतें आती है.इस कारण हार्ट पर भी दबाव बढ़ता है जिससे हार्ट संबंधी परेशानियां बढ़ सकती है. रिपोर्ट के मुताबिक विटामिन डी का कम लेवल ऑटोइम्यून डिजीज के रिस्क को बढ़ाता है.

इन परेशानियों से भी करना पड़ेगा सामना : अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसीन जर्नल में अध्ययन के हवाले से कहा गया कि विटामिन डी का लेवल कम होने की वजह से मेटाबोलिक सिंड्रोम का खतरा कई गुना बढ़ जाता है. वहीं विटामिन डी का संबंध जेशटेशनल डायबिटीज से भी है. यानी प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं में टाइप 2 डायबिटीज के मामले भी विटामिन डी की वजह से बढ़ सकते हैं. लेकिन अगर विटामिन डी की खुराक सही है तो जेशटेशनल डायबिटीज को रोकने में मदद मिल सकती है. अध्ययन टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों में ग्लाइसेमिक कंट्रोल और डी 3 लेवल के बीच विटामिन डी 3 के संबंधों की पड़ताल की गई थी जिसमें पाया गया कि विटामिन डी का कम लेवल सीधे टाइप 2 डायबिटीज से जुड़ा हुआ है.

अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, विटामिन डी का कम स्तर मेटाबोलिक सिंड्रोम के जोखिम को बढ़ा सकता है. इसके अलावा, विटामिन डी का संबंध जेशटेशनल डायबिटीज से भी है, यानी गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में टाइप 2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ सकता है. हालांकि, यदि विटामिन डी की उचित खुराक ली जाए तो जेशटेशनल डायबिटीज को रोका जा सकता है. इस अध्ययन में टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों में ग्लाइसेमिक कंट्रोल और विटामिन डी 3 के स्तर के बीच संबंध का विश्लेषण किया गया, जिसमें यह पाया गया कि विटामिन डी का कम स्तर सीधे तौर पर टाइप 2 डायबिटीज से जुड़ा हुआ है.

सर्दियों में विटामिन डी की पूर्ति कैसे करें : सूरज की रोशनी विटामिन डी का सबसे प्रमुख स्रोत है. हालांकि इसके अलावा कुछ खाद्य पदार्थों से भी विटामिन डी प्राप्त किया जा सकता है.विटामिन डी के लिए अंडा, फैटी फिश, टूना, सैल्मन, और मैकरल का सेवन करना चाहिए. शाकाहारी लोगों के लिए अनाज, संतरा, छाछ, और सोया ड्रिंक भी अच्छे स्रोत हो सकते हैं. वहीं मशरूम भी विटामिन डी का अच्छा स्रोत है. यह जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है और विटामिन ए की कमी को भी पूरा करता है.

100 साल तक हार्ट रहेगा हेल्दी ! अमेरिकन डॉक्टर के बताए 2 गोल्डन रूल करें फॉलो, मिलेगा गजब का रिजल्ट

दिल की सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित रूप से वॉकिंग करनी चाहिए. इसके अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से भी हार्ट हेल्थ को दुरुस्त किया जा सकता है. एक्सपर्ट्स ने भी इन दोनों तरीकों को बेहद फायदेमंद बताया है.

आज के दौर में हार्ट से जुड़ी परेशानियां तेजी से बढ़ रही हैं. बड़ी संख्या में लोग हार्ट अटैक का शिकार होकर अपनी जान गंवा रहे हैं. युवाओं पर भी हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता जा रहा है. हार्ट को हेल्दी रखने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन इसके बावजूद वे इससे जुड़ी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं. हालांकि कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखा जाए तो लंबी उम्र तक दिल की सेहत को बेहतर बनाए रखा जा सकता है. कार्डियोलॉजिस्ट की मानें तो सिर्फ 2 गोल्डन रूल्स को फॉलो कर लिया जाए, तो दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है.

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक छोटे-छोटे नियमों से आप अपने दिल को स्वस्थ रख सकते हैं. ओहायो के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. डेविड सैबगिर ने द पोस्ट को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि दिल को स्वस्थ रखने के 2 नियम होते हैं, जो लाइफस्टाइल में बिना किसी बदलाव के फॉलो किए जा सकते हैं. ये नियम आपको दिल की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं और इनका पालन करना बेहद आसान है. इसके लिए सबसे पहला नियम है- रोज वॉक करना. रोजाना वॉक करने से हार्ट को कई फायदे मिलते हैं. विशेष रूप से जब आप छुट्टियों का आनंद ले रहे हों, तब वॉक जरूर करें.

वॉकिंग से सेहत को कई गजब के फायदे मिल सकते हैं. इससे पाचन तंत्र में सुधार हो सकता है और मूड बेहतर हो सकता है. इसके अलावा दिल की सेहत के लिए वॉकिंग बेहद लाभकारी है. रोजाना वॉक करने से ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और बॉडी मास इंडेक्स (BMI) जैसे हार्ट डिजीज के प्रमुख फैक्टर्स को कम करने में मदद मिलती है. वॉक एक लो इंटेंसिटी एक्सरसाइज है, जिससे शरीर पर कम दबाव पड़ता है. हालिया रिसर्च के अनुसार हफ्ते में तीन बार 5000 स्टेप्स चलने से लाइफ एक्सपेक्टेंसी में 3 साल का इजाफा हो सकता है.

दिल को हेल्दी रखने का दूसरा गोल्डन रूल होता है शरीर को हाइड्रेटेड रखना.

डॉ. सैबगिर का कहना है कि दिल के स्वास्थ्य के लिए पानी पीना बहुत जरूरी है. पानी पीने से न सिर्फ शरीर हाइड्रेटेड रहता है, बल्कि यह भूख को भी नियंत्रित करता है. खाने से पहले और बाद में पानी पीने से पेट भर जाता है, जिससे आप कम खाने की आदत डाल सकते हैं. पानी न सिर्फ आपके शरीर को हाइड्रेट करता है, बल्कि यह सोडा और एनर्जी ड्रिंक्स जैसी चीजों की खपत को भी कम कर सकता है. इससे ओवरऑल हेल्थ को गजब के फायदे मिल सकते हैं.

कार्डियोलॉजिस्ट की मानें तो वॉकिंग और हाइड्रेशन का कॉम्बिनेशन दिल की सेहत को बेहतर बनाने के लिए एक प्रभावी उपाय हो सकता है. वॉकिंग से ब्लड फ्लो बेहतर होता है और तनाव कम होता है. इससे दिल को स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है.

इसके अलावा यह इंटरनल ऑर्गन की फंक्शनिंग को भी बेहतर बनाता है. वॉक और हाइड्रेशन से मेंटल हेल्थ भी दुरुस्त हो सकती है. हाइड्रेशन के लाभ केवल पानी पीने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह शरीर के सभी कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है और पाचन प्रक्रिया को भी बेहतर बनाता है.

दिल्लीवालों को मिला नए साल का तोहफा : सरकार ने बिजली सरचार्ज में कटौती की, सभी उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।।नए साल पर दिल्ली सरकार ने लोगों को तोहफा दिया है। अब नए साल के बाद दिल्ली में बिजली बिल में कुछ कमी आएगी। दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि बिजली बिलों पर लगे सरचार्ज को 65 से 40 फीसदी तक कम किया जाएगा। इससे दिल्ली वालों को बिजली की बिल में राहत मिलने वाली है। दिल्ली में पावर पर्चेज एडजस्टमेंट चार्ज (पीपीएसी) की दरें बीआरपीएल (BRPL) के लिए 35.83 फीसदी, बीवाईपीएल (BYPL) के लिए 38.12 फीसदी और टीपीडीडीएल (TPDDL) के लिए 36.33 फीसदी थीं। उन्हें घटा कर क्रमशः 18.19 फीसदी, 13.63 फीसदी और 20.52 फीसदी कर दिया। इसका फायदा अब दिल्ली वालों को मिलने वाला है।

सरकार ने बिजली बिलों पर लगे सरचार्ज को 65 से 40 फीसदी तक कम करने का फैसला लिया। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि सरकार ने हमेशा उपभोक्ताओं को अधिकतर बिजली दरों में बढ़ोतरी से बचाने को प्राथमिकता दी है।

हालांकि नई दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) जो लुटियंस दिल्ली और उसके आसपास बिजली की आपूर्ति करता है, उसके द्वारा सरचार्ज को संशोधित करने की याचिका अभी भी आयोग में लंबित है। जानकारों का कहना है कि बिजली खरीद समायोजन लागत (पीपीएसी) में संशोधन से अगले बिलिंग चक्र से सभी उपभोक्ताओं के लिए बिजली बिल कम हो जाएगा।

क्यों अधिक था सरचार्ज : दिल्ली सरकार का कहना है कि इस साल भीषण गर्मी पड़ी, इसके कारण दिल्ली में बिजली की मांग काफी अधिक थी। 24 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डिस्कॉम ने बाजार दरों पर बिजली खरीदी, जिससे पीपीएसी (सरचार्ज) में वृद्धि हुई थी।

अब इस मामले को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। एक तरफ जहां भाजपा ने क्रेडिट लेने की कोशिश की तो मुख्यमंत्री ने इस पर पलटवार कर दिया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा के दबाव के कारण डीईआरसी को विश्लेषण करना पड़ा, जिसके कारण कटौती लागू करनी पड़ी। भाजपा ने आप सरकार और निजी बिजली कंपनियों के बीच सांठगांठ को उजागर किया है। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर केजरीवाल सरकार और निजी कंपनियों द्वारा 10 साल से चली इस लूट की जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया जाएगा।

वहीं सीएम आतिशी ने कहा कि इस कटौती से दिल्ली भर के सभी उपभोक्ताओं के बिजली बिल कम होंगे।

यह AAP के ईमानदार, जन-केंद्रित शासन के कारण संभव हुआ है। अगर भाजपा श्रेय लेने के लिए इतनी ही उत्सुक है, तो उसे अपने द्वारा शासित 22 राज्यों में बिजली की कीमतें कम करनी चाहिए।

काश मैंने उसे क्रिकेटर बनाया होता... खेल रत्न की लिस्ट से मनु भाकर का नाम गायब होने पर भड़के पिता

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। पेरिस ओलिंपिक 2024 में दो ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर को खेल रत्न नहीं मिलने से बहुत निराशा हुई है। मनु का कहना है कि उन्होंने ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन किया था, फिर भी उनका नाम शॉटलिस्ट हुए 30 लोगों की सूची में नहीं आया। देश के लिए एक ही ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली खिलाड़ी होने के बावजूद, देश के सर्वोच्च खेल सम्मान के लिए विचार न किए जाने से वह निराश हैं। उनके पिता ने तो यहां तक कह दिया है कि उन्हें मनु को शूटिंग में डालने का अफसोस है। उन्हें क्रिकेट में डालना चाहिए था।

मनु के पिता ने क्या कहा : मनु भाकर के पिता ने खेल मंत्रालय और खेल रत्न के लिए नाम तय करने वाली समिति पर निशाना साधा। मंत्रालय का कहना है कि मनु ने आवेदन ही नहीं किया, जबकि मनु इससे इनकार करती हैं। मनु के पिता ने कहा, 'मुझे अपनी बेटी को शूटिंग में डालने का पछतावा है। काश उसे क्रिकेटर बनाया होता। तब उसे सारे पुरस्कार और सम्मान मिलते। उसने एक ही ओलिंपिक में दो मेडल जीते हैं, ऐसा पहले कभी किसी ने नहीं किया। आप मेरी बच्ची से देश के लिए और क्या उम्मीद करते हैं? सरकार को उसकी मेहनत को पहचानना चाहिए।'

राम किशन भाकर ने बात करते हुए कहा- मैंने मनु से बात की और वह बहुत दुखी थी। उसने मुझसे कहा, 'मुझे ओलिंपिक में जाकर देश के लिए मेडल नहीं जीतने चाहिए थे। मुझे खिलाड़ी ही नहीं बनना चाहिए था।'

यह भी बताया गया है कि मनु ने वेब पोर्टल पर अपना नाम दर्ज कराया था। खेल मंत्रालय और फेडरेशन इस मामले को पूरी तरह समझने के लिए बातचीत कर रहे हैं। एक सूत्र ने बताया, 'मनु ने कहा कि उसने पोर्टल पर आवेदन किया था। अगर ऐसा है तो समिति ने उसका नाम जरूर देखा होगा। स्थिति चाहे जो भी हो फेडरेशन ने मंत्रालय से संपर्क किया है और अधिकारियों से उसका नाम शामिल करने का अनुरोध किया है।

अपने पीछे कितनी संपत्ति छोड़ गए हैं मनमोहन सिंह? किसी का एक रुपया भी नहीं था कर्ज, जानें कहां-कहां हैं फ्लैट

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्लीः पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के एम्स में आखिरी सांस ली। वह 92 साल के थे। वह पिछले कई दिनों से बीमार थे। गुरुवार को उनकी तबीयत कुछ ज्यादा खराब हुई, जिसके कारण उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया था। मनमोहन सिंह अपने पीछे कई करोड़ रुपये की संपत्ति छोड़ गए हैं।

पीएम समेत कई हस्तियों ने जताया शोक : मनमोहन सिंह कई बार स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती कराए जा चुके थे। उधर डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की खबर सामने आने के बाद पूरे देश में शोक की लहर देखने को मिल रही है। मनमोहन सिंह के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई हस्तियों ने शोक जताया है। इनमें प्रियंका गांधी से लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे, वीरेंद्र सहवाग, गौतम अडानी आदि शामिल हैं।

कई अवॉर्ड से सम्मानित : मनमोहन सिंह को उनके योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इसमें पद्म विभूषण भी शामिल है। साल 1991 में, पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नया रूप दिया। उन्होंने उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों को अपनाया। इन नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजार के लिए खोल दिया।

कितनी संपत्ति छोड़ गए हैं : मनमोहन सिंह ने साल 2018 में राज्यसभा सीट के लिए नामांकन दाखिल किया था। नामांकन के दौरान उन्होंने अपनी कुल संपत्ति 15.77 करोड़ रुपये बताई थी। वहीं एफिडेविट के मुताबिक साल 2018-19 में उनकी कुल कमाई करीब 90 लाख रुपये थी।

माईनेता वेबसाइट में मनमोहन सिंह की पूरी संपत्ति के बारे में बताया गया है। इसके मुताबिक उनके पास कैश 30 हजार रुपये थे। साथ ही 3.86 लाख रुपये की ज्वैलरी भी बताई गई है। उनके पास दिल्ली और चंडीगढ़ में एक-एक फ्लैट भी है। मनमोहन सिंह पर कर्ज का एक रुपया भी नहीं था।

वाह बेटा! किसान के लाल ने किया कमाल, जेवलिन स्टार नीरज चोपड़ा भी करते हैं फॉलो

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

सतना. रामपुर के छोटे से गांव इटौरा के निवासी हिमांशु मिश्रा ने एक बार फिर क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन किया है. अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक खिलाड़ी हिमांशु राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर खेल के दम पर अपनी पहचान बना चुके हैं. दिलचस्प बात यह है कि जैवलीन थ्रो के देश के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा भी उन्हें इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं.

हिमांशु का सफर एक साधारण किसान परिवार से शुरू होकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा है. उनके पिता विनय मिश्रा और माता माया मिश्रा के समर्थन से हिमांशु ने अपनी मेहनत से खेल में सफलता पाई, पिछले पांच वर्षों में उन्होंने कुल 9 राष्ट्रीय और 1 अंतरराष्ट्रीय पदक अपने नाम किए हैं. उन्होंने अपनी 12वीं की पढ़ाई छोड़कर खेल में अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया और यह फैसला उनके लिए सही साबित हुआ.

चोट के बावजूद शानदार वापसी : हिमांशु के करियर में एक समय ऐसा भी आया जब वह चोटिल हो गए थे और इसके कारण उन्हें कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से चूक गए थे. लेकिन चोट से उबरते ही उन्होंने वापसी की और फिर से खुद को खेल में पूरी तरह से झोंक दिया. हाल ही में 7 से 11 दिसंबर तक भुवनेश्वर में आयोजित 39वीं जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में हिमांशु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 68.36 मीटर का थ्रो कर तीसरा स्थान हासिल किया.

राज्य सरकार की मदद से आगे बढ़े हिमांशु : हिमांशु ने लोकल 18 से बताया की बताया कि 2020 में जेवलीन थ्रो में उनकी रुचि जागी थी और शुरुआत में पैसों की कमी के चलते उन्होंने लकड़ी से भी भाला फेंकने की प्रैक्टिस की. वर्तमान में वह भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में रहते हैं, जहां उनकी खाने-पीने और रहने की सारी व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की जाती है.

स्थानीय पहचान पर हिमांशु का विचार : जब हिमांशु से पूछा गया कि इतने बड़े मुकाम को हासिल करने के बाद स्थानीय लोग उन्हें कैसे देखते हैं, तो उन्होंने कहा, 'सतना में खिलाड़ी को कोई खास पहचान नहीं मिलती.' फिर भी, हिमांशु की मेहनत और लगन उन्हें न केवल उनके क्षेत्र में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिला रही है.

विनोद कांबली के लिए एकनाथ शिंदे ने बढ़ाया हाथ, तो भावुक हो गए पूर्व क्रिकेटर

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली बीमार चल रहे हैं. उनकी तबियत अचानक बिगड़ी जिसके बाद से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया. इस बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विनोद कांबली को मदद देने का ऐलान किया है. श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन की ओर से 5 लाख की मदद का ऐलान किया गया है. यह देख कांबली भावुक हो गए.

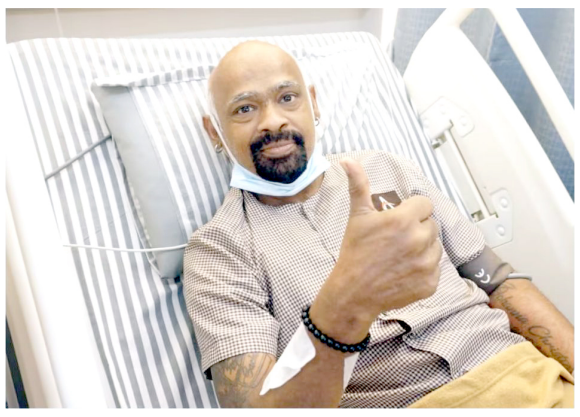

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेशानुसार उनके ओएसडी मंगेश चिवटे ने डॉक्टरों से चर्चा की और उनसे यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि विनोद कांबली के इलाज में कोई भी कमी न रहे. कांबली के इलाज के लिए 5 लाख रुपए दिए जा रहे हैं. ऐसी उम्मीद है कि अगर कांबली के इलाज में और पैसे भी लगे तो यह फाउंडेशन उनकी और भी मदद कर सकता है.

अस्पताल के डॉ. विवेक त्रिवेदी ने पीटीआई को बताया कि कांबली (52) मूत्र मार्ग में संक्रमण के इलाज का असर हो रहा है, जिसके लिए उन्हें शनिवार (21 दिसंबर) को भिवंडी शहर के पास आकृति अस्पताल में भर्ती कराया गया था. त्रिवेदी उस मेडिकल टीम का नेतृत्व कर रहे हैं जो पूर्व क्रिकेटर के स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है.

उन्होंने कहा कि चिकित्सक पूर्व भारतीय बल्लेबाज का एमआरआई (मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग) करने की योजना बना रहे थे, लेकिन उन्हें बुखार होने के कारण इस तरह की चिकित्सा प्रक्रिया पर निर्णय बाद में लिया जाएगा. त्रिवेदी ने कहा कि पहले की गई कई चिकित्सीय जांचों में मस्तिष्क में थक्के का पता चलने के बाद एमआरआई प्रक्रिया जरूरी हो गई है. उन्होंने कहा कि कांबली को एक या दो दिन के भीतर आईसीयू से बाहर निकाले जाने और लगभग चार दिनों के बाद छुट्टी दिए जाने की संभावना है.

महिलाओं और गर्ल्स के लिए स्कूटर क्यों है बाइक से बेहतर, इन कारणों से होंगे सभी सहमत

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। काफी संख्या में महिलाएं और लड़कियां बाइक भी चलाती हैं, लेकिन ज्यादातर महिलाएं स्कूटर चलाना ही पसंद करती हैं। स्कूटर आजकल लड़कियों और महिलाओं के लिए एक पसंदीदा सवारी बन गया है। यह उन्हें आजादी देता है और रोजमर्रा के काम-काज के साथ ही ऑफिस आने-जाने समेत कई फायदे भी हैं। चलाने में आसान, हल्का वजन, अच्छी माइलेज और जरूरी सेफ्टी फीचर्स की वजह से स्कूटर महिलाओं के लिए एक अच्छा विकल्प बनते हैं और इसी वजह से भारतीय बाजार में होंडा, टीवीएस, सुजुकी और यामाहा जैसी कंपनियों के स्कूटर्स की खूब बिक्री होती है।

काफी आसान है स्कूटर चलाना : दरअसल, स्कूटर चलाना बहुत आसान होता है। इसमें गियर बदलने का झंझट नहीं होता। ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की वजह से ट्रैफिक में भी इसे आसानी से चलाया जा सकता है। नई सीखने वालों या ट्रैफिक से डरने वालों के लिए यह एक बढ़िया विकल्प है। साथ ही स्कूटर का वजन कम होता है, ऐसे में इसे संभालना आसान है। पार्किंग की समस्या भी नहीं होती। नीची सीट होने से छोटे कद की महिलाएं भी इसे आराम से चला सकती हैं। पैर जमीन पर आसानी से पहुंच जाते हैं, जिससे बैलेंस बना रहता है और डर नहीं लगता है।

स्कूटर में जगह भी खूब : स्कूटर में सामान रखने की भी अच्छी जगह होती है। सीट के नीचे और आगे की तरफ सामान रखा जा सकता है। पर्स, बैग, हेलमेट सब कुछ आराम से आ जाता है। कुछ स्कूटरों में आगे की तरफ पॉकेट और हैंगर भी होते हैं, जिससे काफी आसानी होती है।

बाइक से सस्ता होता है स्कूटर : सबसे खास बात यह है कि स्कूटर मोटरसाइकल के मुकाबले सस्ता होता है। कम कीमत में मिलने के साथ-साथ, इसका रखरखाव और पेट्रोल का खर्च भी कम होता है। जिन महिलाओं को बजट का ध्यान रखना होता है, उनके लिए यह एक अच्छा विकल्प है।

अच्छे सेफ्टी फीचर्स : सुरक्षा के मामले में भी स्कूटर कम नहीं हैं। आजकल के स्कूटरों में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, कॉम्बी-ब्रेकिंग सिस्टम और डिस्क ब्रेक जैसे फीचर्स आते हैं। इनसे ब्रेक लगाने में अच्छा कंट्रोल मिलता है और एक्सीडेंट का खतरा कम होता है।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि स्कूटर चलाने से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्हें कहीं आने-जाने के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

सिर्फ 1 हैंड बैग, वजन 7 किलो तक...

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्लीः हवाई यात्रा करने वालों के लिए जरूरी खबर है। बीसीएएस ने हैंड बैगेज नियमों में बदलाव किया है। ये नियम 2 मई, 2024 के बाद बुक की गई टिकटों पर लागू होंगे। इस बदलाव की वजह एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच में बढ़ती भीड़ है। CISF और BCAS ने मिलकर ये नए नियम बनाए हैं। अब सिर्फ एक हैंड बैग ले जा सकेंगे, जिसका वज़न और आकार सीमित होगा। कुछ छूट पुराने टिकटों के लिए है। Indigo जैसी एयरलाइन्स ने भी अपने नियम बताए हैं।

बीसीएएस यानी ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी ने हवाई यात्रियों के लिए हैंड बैगेज के नियमों में बदलाव किया है। यह बदलाव एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान बढ़ती भीड़ को कम करने के लिए किया गया है। एयरपोर्ट सुरक्षा देखने वाले सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) ने बीसीएएस के साथ मिलकर यह फैसला लिया है। नए नियमों के अनुसार, यात्री अब हवाई जहाज में केवल एक हैंड बैग ले जा सकेंगे। यह नियम सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए लागू है।

क्या कहते हैं नए नियम : नए नियम के अनुसार, एक हैंड बैग का वजन 7 किलो से ज्यादा नहीं होना चाहिए। यह नियम इकोनॉमी और प्रीमियम इकोनॉमी क्लास के यात्रियों के लिए है। फर्स्ट और बिजनेस क्लास के यात्री लगभग 10 किलो तक का हैंड बैग ले जा सकते हैं। बैग का आकार भी तय किया गया है। ऊंचाई 55 सेमी (21.6 इंच), लंबाई 40 सेमी (15.7 इंच) और चौड़ाई 20 सेमी (7.8 इंच) से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। कुल मिलाकर, बैग का कुल माप 115 सेमी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अगर आपका बैग तय सीमा से बड़ा या भारी है तो आपको अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है।

अगर आपने 2 मई, 2024 से पहले अपनी टिकट बुक कर ली है तो आपको कुछ छूट मिलेगी। इकोनॉमी क्लास के यात्री 8 किलो तक का बैग ले जा सकते हैं। प्रीमियम इकोनॉमी के लिए 10 किलो और फर्स्ट या बिजनेस क्लास के लिए 12 किलो की छूट है। ध्यान रहे, यह छूट केवल 2 मई, 2024 से पहले बुक की गई टिकटों पर ही लागू होगी। अगर आप इस तारीख के बाद अपनी टिकट में कोई बदलाव करते हैं तो आपको नए नियमों का पालन करना होगा।

इंडिगो ने दी है खास सुविधा : इंडिगो एयरलाइन्स ने भी अपने हैंड बैगेज नियम बताए हैं। इंडिगो के यात्री एक केबिन बैग ले जा सकते हैं, जिसका आकार 115 सेमी से ज्यादा न हो और वजन 7 किलो तक हो। इसके अलावा, एक पर्सनल बैग, जैसे कि लेडीज पर्स या छोटा लैपटॉप बैग भी ले जा सकते हैं। इसका वजन 3 किलो से ज्यादा न हो। यानी इंडिगो में आपको दो बैग ले जाने की सुविधा मिलती है - एक केबिन बैग और एक पर्सनल बैग।

ऐसे में अगली बार जब आप हवाई जहाज से सफर करें तो इन नए नियमों का ध्यान रखें। यह जानकारी आपको एयरपोर्ट पर किसी भी तरह की परेशानी से बचाएगी। अपनी एयरलाइन की वेबसाइट पर जाकर भी आप पूरी जानकारी ले सकते हैं। यात्रा से पहले तैयारी कर लें, ताकि आपकी यात्रा सुखद रहे।

पीने के पानी पर अभी भी देना पड़ता है टैक्स! पॉपकॉर्न पर 3 तरह की जीएसटी के बाद सोशल मीडिया पर हलचल

» स्वदेश प्रेम, एजेंसी

नई दिल्ली।। जीएसटी काउंसिल की शनिवार को मीटिंग हुई। इसमें कई चीजों पर जीएसटी लगाया गया तो कई पर कम किया गया। वहीं सबसे ज्यादा चर्चा में पॉपकॉर्न रहा। जीएसटी काउंसिल ने कहा कि पॉपकॉर्न पर तीन तरह का जीएसटी लगेगा।

जीएसटी काउंसिल की इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर न केवल मीम्स की बाढ़ आ गई, बल्कि एक नई बहस भी छिड़ गई। यूजर्स मीम्स के जरिए सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाने लगे।

एक यूजर ने कहा कि हो सकता है कि सरकार आने वाले समय में पीने के पानी पर भी जीएसटी लगा दे। वैसे बता दें कि सरकार पीने के पानी पर अभी भी जीएसटी लेती है। हालांकि वह पानी काफी महंगे होते हैं।

पॉपकॉर्न पर क्या आया फैसला : जीएसटी काउंसिल में निर्णय लिया गया कि पॉपकॉर्न पर तीन तरह से टैक्स यानी जीएसटी लिया जाएगा।

नमक और मसालों के साथ रेडी-टू-ईट पॉपकॉर्न पर 5 फीसदी जीएसटी शामिल है। इसमें शर्त है कि इसे पहले से पैक न किया गया हो। वहीं पहले से पैक और लेबल वाले पॉपकॉर्न पर 12 फीसदी जीएसटी लगेगा। इसके अलावा कैरेमलाइज्ड पॉपकॉर्न (ऐसे पॉपकॉर्न जिनमें चीनी मिलाई जाती है) पर 18 फीसदी टैक्स लगेगा।

पानी का मामला क्यों उठा : दरअसल, पॉपकॉर्न पर जीएसटी के बाद एक यूजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की थी। सागर नाम के शख्स ने अपने एक्स अकाउंट @sagarcasm पर लिखा था, 'क्या अब पाने के पानी पर भी जीएसटी लगेगा- अगर आप घूंट-घूंट पानी पीते हैं तो 5%, अगर गट-गट करके पीते हैं तो 12% और अगर पानी गिरा देते हैं तो 18% जीएसटी देना होगा।'

लेकिन पानी पर टैक्स अभी भी है : ऐसा नहीं है कि सरकार पानी पर जीएसटी नहीं लेती। ऐसे पैक्ड पानी जो हाई मिनरल और दूसरी चीजों से भरपूर होते हैं, उन पर सरकार जीएसटी लेती है। इस तरह के महंगे पानी को विराट कोहली, नीता अंबानी, मलाइका अरोड़ा और दूसरे बड़े-बड़े सेलिब्रिटी पीते हैं। इसमें सबसे ज्यादा बिकने वाला 'ब्लैक वाटर', 'स्पार्कलिंग वाटर' आदि है। ब्लैक वाटर को अल्कलाइन वाटर भी कहते हैं।

5 हजार रुपये लीटर तक कीमत : ब्लैक वाटर की एक लीटर की बोतल की कीमत 200 से 3000 रुपये के बीच होती है। स्पार्कलिंग वाटर की कीमत 1200 से 5000 रुपये प्रति लीटर तक हो सकती है।

कितना लगता है जीएसटी : सामान्य तौर पर मिलने वाली पानी की बोतल जिसकी कीमत 10 से 40 या 50 रुपये होती है, उस पर कोई जीएसटी नहीं देना होता। हालांकि बोतल अगर 20 लीटर की है तो उस पर 12 फीसदी जीएसटी देना होता है। बात अगर ब्लैक वाटर या स्पार्कलिंग वाटर की करें तो इस पर 5 से 18 फीसदी तक जीएसटी लगता है।

नाक की सर्जरी हुई खराब, तो कन्नी काटने लगे डायरेक्टर, एक्टिंग छोड़ने वाली थी प्रियंका चोपड़ा

जब फिल्ममेकर्स एक्ट्रेस को अपनी फिल्मों में कास्ट करने से बचने लगे थे, तब उन्हें और उनके परिवार को कई मुसीबतों का सामना करना पड़ा था. 'गदर' के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने दावा किया कि एक्ट्रेस की नाक की प्लास्टिक सर्जरी के बाद डायरेक्टर उनसे निराश हो गए थे. फिल्ममेकर्स उन्हें अपनी फिल्मों में कास्ट करने से बचने लगे. एक्ट्रेस बुरे हालातों से इतना निराश हो गईं कि उन्होंने फिल्में छोड़ने का मन बना लिया था.

आज एक्ट्रेस को सुपरस्टार का दर्जा प्राप्त है. बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक, उनके चाहनेवाले लाखों में हैं. हम प्रियंका चोपड़ा की बात कर रहे हैं, जिनके लिए सुपरस्टारडम पाना आसान नहीं था. एक समय था जब फिल्ममेकर्स ने उनमें इंटरेस्ट दिखाना बंद कर दिया था. 'गदर' के निर्देशक अनिल शर्मा ने हाल में प्रियंका चोपड़ा के करियर पर बात की और बताया कि जिस मुकाम पर वह हैं, उसे हासिल करने के लिए उन्होंने किस तरह की कड़ी मेहनत की है.

अनिल शर्मा ने उस समय के बारे में बताया जब प्रियंका चोपड़ा ने एक्टिंग छोड़ने का मन बना लिया था. उन्होंने प्रियंका चोपड़ा के साथ फिल्म 'द हीरोः द लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई' में काम किया था. डायरेक्टर ने सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में प्रियंका चोपड़ा के जुनून की तुलना महाभारत के अर्जुन से की. उन्होंने कहा, 'ना वो बाएं जाती है ना दाएं. अर्जुन की तरह नजर सिर्फ मछली की आंख पर है और कहीं नहीं है.'

अनिल शर्मा ने यह भी बताया कि प्रियंका चोपड़ा और उनके परिवार को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जब फिल्ममेकर्स उन्हें अपनी फिल्मों में लेने के पक्ष में नहीं थे. अनिल शर्मा ने दावा किया कि इसकी वजह उनकी नाक की सर्जरी है, जिससे निर्देशकों को निराशा हुई थी. प्रियंका चोपड़ा ने नाक की सर्जरी से अपनी खूबसूरती को बढ़ाना चाहा था, लेकिन यह उम्मीद के मुताबिक नहीं हुई. नतीजतन, उन्हें ठीक होने में काफी समय लग गया.

अनिल शर्मा ने प्रियंका को लेकर कहा, 'उसमें उस बिचारी का कोई दोष नहीं था. उस समय मैंने उन्हें 'द हीरो' के लिए पहले ही 5 लाख रुपये का टोकन दे दिया था. फिर उन्होंने मुझे बताया कि वास्तव में उनकी नाक के साथ क्या हुआ था.' अनिल शर्मा ने कहा कि उन्होंने ही प्रियंका चोपड़ा को फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने से रोका था.

'गदर' के डायरेक्टर आगे कहते हैं, 'उन्होंने कहा कि मेरे पिता बरेली लौट आए हैं और आर्मी में अपनी ड्यूटी फिर से ज्वॉइन कर ली है. मां ने कहा कि वे भी अपनी प्रैक्टिस फिर से शुरू कर देंगी. उन्हें लगा कि प्रियंका को ठीक होने में कुछ समय लगेगा, इसलिए वे एक साल बाद वापस आ जाएंगे. वे यहां बहुत ज्यादा किराया दे रहे थे. वे आम लोग थे, कोई अमीर बिजनेसमैन नहीं थे. मैंने उन्हें रुकने के लिए कहा था.'

प्रियंका चोपड़ा शादी के बाद पति निक जोनास के साथ अमेरिका में रह रही हैं. उन्होंने हॉलीवुड में अपने टैलेंट से दुनियाभर के लोगों को दीवाना बनाया. वे बॉलीवुड में कमबैक करना चाहती हैं. लंबे वक्त से चर्चाएं हैं कि वे फराह अख्तर की 'जी ले जरा' से वापसी करेंगी. यकीनन, वे भारतीय सिनेमा को मिस कर रही हैं.

एक्ट्रेस ही नहीं, एक उम्दा फिल्ममेकर भी हैं पल्लवी जोशी, इन 5 फिल्मों से सिनेमा को दी नई पहचान!

निर्माता के रूप में पल्लवी जोशी ने लगातार प्रभावशाली फिल्में दी हैं. उनकी प्रोजेक्ट समाज में बदलाव लाने के उद्देश्य से बोल्ड और साहसी कहानियां प्रस्तुत करती हैं. प्रकाश से दूर रहते हुए भी, वह भारतीय सिनेमा को अपने गहन और प्रेरक दृष्टिकोण से समृद्ध कर रही हैं. जैसे-जैसे यह वर्ष समाप्त हो रहा है, आइए उन पलों को याद करें जब पल्लवी जोशी ने एक निर्माता के रूप में सिनेमा को नई दिशा दी.

आरोहणः पल्लवी जोशी ने भारतीय टेलीविज़न सीरीज़ आरोहण को लिखा और प्रोड्यूस किया, जो 1996-1997 के दौरान डीडी नेशनल पर प्रसारित हुआ. आरोहण एक काल्पनिक परिदृश्य में सेट है, जहां महिलाएँ भारतीय नौसेना में कैडेट के रूप में शामिल होती हैं. इस शो के माध्यम से, पल्लवी ने महिला सशक्तिकरण का विषय उठाया, क्योंकि उस समय भारतीय नौसेना में महिलाओं को युद्ध बलों में शामिल होने की अनुमति नहीं थी.

द कश्मीर फाइल्सः यह फिल्म 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के भारतीय प्रशासित कश्मीर से पलायन पर केंद्रित है. फिल्म उन घटनाओं को नरसंहार के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसे विद्वानों के बीच बहस का विषय माना गया. पल्लवी जोशी के समर्थन से इस फिल्म ने उस मौन को तोड़ा, जिसने इन तथ्यों को दबा रखा था. इस हार्दिक कहानी ने राष्ट्र को झकझोर कर रख दिया और उन सच्चाइयों को सामने लाया जो पहले कभी उजागर नहीं हुई थीं.

द ताशकंद फाइल्सः द ताशकंद फाइल्स में पल्लवी जोशी ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की रहस्यमयी मृत्यु को उजागर किया. जहां यह विषय कई षड्यंत्रों का केंद्र रहा है, फिल्म ने इस मुद्दे पर गहन प्रकाश डाला. फिल्म में पल्लवी जोशी की भूमिका और उत्कृष्ट कलाकारों के प्रदर्शन ने इसे एक स्लीपर हिट बना दिया. इस फिल्म को दो राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिले.

बुद्धा इन ए ट्रैफिक जैमः यह फिल्म अकादमिक क्षेत्र, भ्रष्टाचार और माओवाद के जटिल संबंधों पर आधारित है. बुद्धा इन ए ट्रैफिक जैम के माध्यम से पल्लवी जोशी ने एक जटिल लेकिन रचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया. उनकी अदाकारी और फिल्म का संदेश दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ने में सफल रहा.

द दिल्ली फाइल्स : साहसी कहानियों की अपनी विरासत को जारी रखते हुए, पल्लवी जोशी द दिल्ली फाइल्स लेकर आ रही हैं. यह फिल्म 1940 के दशक में लिए गए राजनीतिक निर्णयों और विशेष रूप से बंगाल द्वारा झेली गई पीड़ा को दर्शाती है. गहन शोध पर आधारित इस फिल्म का निर्माण चल रहा है और यह 15 अगस्त 2025 को रिलीज होने वाली है.

60 की उम्र में दुल्हनिया बनी ये एक्ट्रेस...फेसबुक पर दे बैठी थीं दिल, शादी की फोटो ने मचा दिया था तहलका!

'जब प्यार किया तो डरना क्याष्ठ' इस गाने के बोल को सच कर दिखाया सुहासिनी मुले ने. उन्होंने 60 साल की उम्र तक शादी नहीं की. लेकिन फिर फेसबुक पर उनकी वन एंड ओन्ली मिल गए. उन्होंने लोग क्या सोचेंगे-क्या कहेंगे ये कुछ नहीं सोचा और 60 की उम्र में ही शादी कर ली. उनकी शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हुई थीं.

फेसबुक पर दिल दे बैठी थीं सुहासिनी मुले : हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए उन्होंने लव स्टोरी बताई थी. उन्होंने कहा, 'मेरी अपने हसबैंड से मुलाकात फेसबुक पर हुई थी. मुझे सोशल मीडिया चलाना अच्छा नहीं लगता था.' लेकिन एक दोस्त ने उन्हें अकाउंट बनाने की सलाह दी. यहीं से सुहासिनी मुले की फेसबुक पर एंट्री हुई. फेसबुक पर ही उनकी मुलाकात अतुल गुर्टू से हुई, जो भौतिक विज्ञानी हैं. एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे विज्ञान में कुछ रुचि थी. मेरा उनकी तरफ झुकाव हो गया.' यहीं से दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ. एक दिन अतुल गुर्टू ने एक्ट्रेस से पूछा, 'क्या आपका मोबाइल नंबर मिल सकता है.' एक्ट्रेस ने रिप्लाई नें लिखा,'अच्छी लड़कियां अजनबियों को मोबाइल नंबर नहीं देतीं.'

60 की उम्र में की शादी : धीरे-धीरे सुहासिनी मुले और अतुल गुर्टू का रिश्ता इतना गहरा हुआ कि उन्होंने तमाम सवाल-जवाब के बाद शादी का फैसला लिया. इस दौरान एक्ट्रेस के मन में कई प्रश्न खड़े हुए. लेकिन आखिर में उन्होंने शादी करने का फैसला ले ही लिया. 2011 में 16 जनवरी के दिन दोनों ने शादी की. एक-दूसरे से मिलने के 1.5 महीने के बाद दोनों ने शादी का फैसला लिया. अब अभिनेत्री 74 साल की हो गई हैं. सुहासनी ने इंटरव्यू में यह भी बताया था कि उन्हें और अतुल को एक साथ शादी वाले अंदाज में देख पंडित जी हैरान रह गए थे.

कई शो-फिल्मों में कर चुकी काम : मराठी के साथ हिंदी नाटकों और फिल्मों में भी सुहासिनी मुले काम कर चुकी हैं. 'दिल चाहता है', और 'हू-तू-तू' के लिए तो उन्हें नेशनल अवॉर्ड भी मिल चुका है. 'लगान' मूवी में एक्ट्रेस आमिर खान की मां का रोल निभा चुकी हैं. लोग उनकी एक्टिंग को बहुत पसंद करते हैं.

44 साल की उम्र में मां बनने वाली थी संभावना सेठ, बच्चे के लिए झेला 65 इंजेक्शंस का दर्द, सब हो गया बर्बाद

किसी भी महिला के लिए मां बनने से बड़ा सुख कोई दूसरा नहीं होता. कुछ कपल्स को इस दिन के सालों का इंतजार करना पड़ता है. कुछ ऐसा ही 44 साल की उस एक्ट्रेस के साथ हो रहा था, लेकिन साल 2024 कपल को गुड न्यूज मिल गई. लेकिन साल के जाते-जाते वो दुख मिला, जिसको शायद ही कभी भूल पाएंगे. बात कर रहे हैं भोजपुरी एक्ट्रेस संभावना सेठ और उनके पति अविनाश द्विवेदी की. हाल ही में उन्होंने गमगीन खबर अपने फैंस के साथ की, जिसके बाद से फैंस भी मायूस हैं.

एक्ट्रेस संभावना सेठ और उनके पति अविनाश अपने फैंस को खुशखबरी देने वाले थे. 44 साल की संभावना सेठ अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली थीं. लेकिन खुशियां घर में आने से पहले घर में मातम छा गया. तीन महीने की प्रेग्नेंट संभावना सेठ को मिसकैरेज हो गया. आईवीएफ के जरिए उन्होंने अपने पहले बच्चे को कंसीव किया था.

प्रेग्नेंसी के तिसरी महीने में खोया बच्चा : संभावना सेठ और उनकी पति ने व्लॉग में अपने फैंस को ये जानकारी दी है. मिसकैरेज के बाद संभावना का रो-रोकर बुरा हाल है.

अविनाश ने अपने ब्लॉग में बताया, 'लंबे समय से हम आईवीएफ से बेबी के लिए ट्राई कर रहे थे. इस बार ये हो सका और संभावना प्रेग्नेंट हुई. यह उसका तीसरा महीना था. आज एक स्कैन हुआ और हमें उम्मीद थी कि हम सभी को इसकी घोषणा कर देंगे. सब कुछ ठीक था और हम बहुत खुश थे कि यह यात्रा सफल होगी. बच्चे की हार्टबीट थी, लेकिन हालिया स्कैन में डॉक्टर हार्टबीट का पता नहीं लगा सके. कोई भी यह नहीं समझ सका कि ऐसा क्यों हुआ.'

बच्चे के लिए झेला 65 इंजेक्शंस का दर्द : रोते-रोते संभावना ने प्रेग्नेंसी के पूरे प्रोसेस का जिक्र किया. आईवीएफ के इस पूरे प्रोसेस के दौरान उन्होंने 65 इंजेक्शन लिए, जो बहुत दर्दनाक थे, लेकिन उन्होंने अपने बच्चे के लिए सब खुशी-खुशी किया. मैंने सब कुछ किया और सभी सावधानियां बरतीं जो इस बच्चे को जन्म देने के लिए जरूरी थीं. जब मुझे लगा कि अब इंजेक्शन लगना बंद हो जाएगा, उनके बच्चे की हार्टबीट भी रुक गई.

जुड़वां बच्चों के होने की थी उम्मीद : अविनाश ने आगे बताया कि यह जर्नी कितनी चुनौतीपूर्ण थी. 'यह उसके लिए बहुत दर्दनाक था. उसे हर दिन 2-3 बार इंजेक्शन लगाया जाते थे. हमने अपना बेस्ट कोशिश करते हुए मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से निवेश किया था. रिपोर्ट देखकर डॉक्टर हैरान रह गए और उन्हें लगा कि शायद हमारे जुड़वां बच्चे होंगे. हम बस प्रेग्नेंट होने की उम्मीद कर रहे थे और डॉक्टर जुड़वां बच्चों के बारे में बात कर रहे थे.

साल 2016 में हुई थीं संभावना-अविनाश की शादी : संभावना का ये मिसकैरेज पहले चार असफल आईवीएफ कोशिशों के बाद हुआ. जो कपल और उनके फैंस दोनों के लिए दुखद है. आपको बता दे कि संभावना सेठ और अविनाश की शादी को 8 साल हो गए हैं. दोनों की शादी साल 2016 में हुई थी.

राजेश खन्ना की वजह से डगमगा गया था मोहम्मद रफी का करियर, धर्मेंद्र के गाने ने बचाई शान, रिलीज होते ही छा गई फिल्म

हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री की बात करते ही सबकी जुबां पर सबसे पहला नाम मोहम्मद रफी का आता है. आज 24 दिसंबर को मोहम्मद रफ़ी की 100वीं बर्थ एनिवर्सरी है. 24 दिसंबर 1924 को सिंगर का जन्म ब्रिटिश इंडिया के पंजाब में हुआ था. छोटे से गांव से निकल कर मोहम्मद रफ़ी साहब ने हिंदी इंडस्ट्री में अपनी नई पहचान बनाने के साथ ही म्यूजिक जगत को एक नई दिशा दी. आज उनके 100वें जन्मदिन के मौके पर उनके करियर और जिंदगी से जुड़े अनसुने किस्से बताने जा रहे हैं.

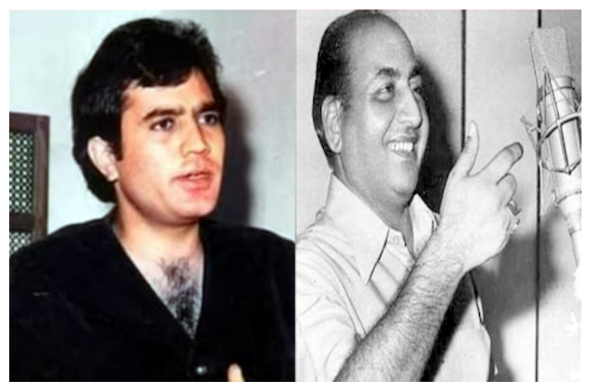

संगीत जगत के उस्ताद मोहम्मद रफी की आज 100वीं बर्थ एनिवर्सरी है. पंजाब के गांव से निकलकर संगीत के जगत में पहचान बनाने का मोहम्मद रफी का सफर आसान नहीं था. कई मुश्किलों का सामना करते हुए मोहम्मद रफी ने अपनी वो पहचान बनाई कि उनके गुजर जाने के 45 साल बाद भी लोगों की जुबां से उनके गाने उतरे नहीं हैं.

ये कहानी मोहम्मद रफी के उस गाने की है जिसने उनके डगमगाते करियर को संभाला था. 70 के दशक में किशोर कुमार का करियर पीक पर था. ज्यादातर म्यूजिक डायरेक्टर अपनी फिल्मों के गाने किशोर कुमार से गवाते थे और इसी वजह से धीरे-धीरे मोहम्मद रफी का करियर डगमगाने लगा और उनको काम मिलना बंद हो गया. इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह राजेश खन्ना को बताया जाता है.

किशोर कुमार से मिली टक्कर : मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जाता है कि 70 के दशक सुपरस्टार राजेश खन्ना की फिल्मों के लिए उनकी पहली पसंद किशोर कुमार थे. ऐसे में जब भी कोई फिल्म डायरेक्टर राजेश खन्ना के साथ फिल्म बनाता तो उसके गाना किशोर कुमार को मिलना लाजमी सा हो गया था. ऐसे में साल 1973 में धर्मेंद्र की फिल्म लोफर आई जिसमें मोहम्मद रफ़ी की आवाज में एक ऐसा गाना था जिसने दर्शकों को मदहोश कर दिया. ये गाना आज भी लोगों की जुबां पर चढ़ा हुआ है. धर्मेंद्र और मुमताज पर फिल्माया गया फिल्म 'लोफर' का गाना 'आज मौसम बड़ा बेईमान है' आज भी संगीत प्रेमियों की जुबां पर है. बारिश के सुहाने मौसम में आज भी आपको कोई न कोई ये गाना गुनगुनाते मिल ही जाएगा.

सुपरहिट थी फिल्म : इस गाने ने दर्शकों पर ऐसा जादू किया था कि सिर्फ इसकी वजह से कई लोगों ने फिल्म दोबारा देखी. जहां एक तरफ धर्मेंद्र और मुमताज की फिल्म ने रफी साहब के करियर को संभाला, वहीं उनके गाने ने फिल्म को जबरदस्त हिट बना दिया. 'आज मौसम बड़ा बेईमान है' के साथ फिल्म और धर्मेंद्र-मुमताज की जोड़ी भी सुपरहिट हो गई थी.

सनी देओल एक्ट्रेस डिंपल कपाड़िया को बनाना चाहते थे अपनी हीरोइन, पिता धर्मेंद्र ने कर दिया इनकार

सनी देओल बॉलीवुड के पॉपुलर स्टार्स में एक हैं. उन्होंने अपने करियर में कई यादगार फिल्में दी हैं. कई शानदार किरदारों को बड़े पर्दे पर उतारा है. 90 के दशक में सनी देओल की एक फिल्म खूब चर्चा में रही, जिसमें वह अपनी पसंद की हीरोइन को कास्ट करना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका. हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं उसका नाम है 'घायल'.

34 साल पहले सनी देओल की एक ऐसी फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी, जिसने कमाई के मामले में बॉक्स ऑफिस पर हंगामा मचा दिया था.

सनी देओल की फिल्म 'घायल' साल 1990 में रिलीज हुई थी. यह उनके करियर की सफल फिल्मों में से एक है. इसमें सनी देओल ने लीड रोल निभाया था. फिल्म में मीनाक्षी शेषाद्रि ने हीरोइन का किरदार निभाया था. इसके अलावा राज बब्बर, मीनाक्षी शेषाद्रि, कुलभूषण खरबंदा और मौसमी चटर्जी जैसे सितारे भी फिल्म का हिस्सा थे.

हैरानी की बात है कि सनी देओल की इस फिल्म में कोई भी प्रोड्यूसर पैसा लगाने को तैयार नहीं हो रहा था. सभी को लगा कि ये मूवी नहीं चलेगी. लेकिन धर्मेंद्र को स्क्रिप्ट पर पूरा भरोसा था. इसके बाद उन्होंने खुद 'घायल' को प्रोड्यूस करने का फैसला किया था. वहीं, सनी देओल फिल्म के को-प्रोड्यूसर थे.

आईएमडीबी की रिपोर्ट के मुताबिक, सनी देओल अपनी फिल्म 'घायल' में डिंपल कपाड़िया को कास्ट करना चाहते थे, लेकिन धर्मेंद्र ने साफ मना कर दिया था. इसके बाद फिल्म के लिए मीनाक्षी शेषाद्रि को बतौर हीरोइन कास्ट किया गया. वैसे सनी देओल और मीनाक्षी शेषाद्रि की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री हिट रही है.

रिलीज के बाद सनी देओल और धर्मेंद्र की फिल्म 'घायल' की सिनेमाघरों में धूम मच गई थी. बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने लागत से कई गुना ज्यादा कमाई कर इतिहास रच दिया था. उस जमाने में आज से हिसाब से बहुत कम लागत में यह मूवी बनकर तैयार हो गई थी.

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 'घायल' को बनाने में 2.50 करोड़ रुपये खर्च हुए थे. भारत में फिल्म ने 8.50 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था. दुनियाभर में इस फिल्म की टोटल कमाई 20 करोड़ रुपये हुई थी. धर्मेंद्र को 'घायल' के लिए बेस्ट फिल्म और सनी देओल ने बेस्ट एक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता था.

इस फिल्म का डायरेक्शन राजकुमार संतोषी ने किया था. बॉक्स ऑफिस पर 'घायल' आमिर खान की फिल्म 'दिल' से क्लैश हुई थी. हालांकि, इससे दोनों फिल्मों पर कुछ खास असर नहीं पड़ा था.

जब करीबी ने बाहों में तोड़ा दम, अंदर से हिल गए थे वरुण धवन, फिर शुरू कर दिया रामायण और भगवद् गीता पढ़ना

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'बेबी जॉन' को लेकर चर्चा में हैं. बहुत जल्द ये मूवी सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. इस बीच वरुण धवन ने उस घटना का जिक्र किया, जिसके बाद उनकी पूरी जिंदगी बदल गई थी. उन्होंने अपने ड्राइवर की मौत का जिक्र किया जो उनके साथ 26 सालों से थे. वरुण धवन ने बताया कि ड्राइवर मनोज के निधन ने जीवन के प्रति उनके नजरिए को बदल दिया था.

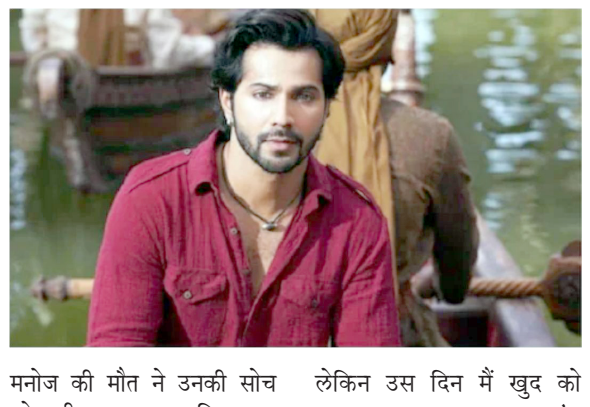

रणवीर अल्लाहबादिया के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान वरुण धवन ने बताया कि वह काफी समय तक एक बबल में जी रहा थे. उन्हें लगता था कि वे जीवन को समझते हैं, लेकिन मनोज की मौत ने उनकी सोच को पूरी तरह बदल दिया था. उन्होने कहा, '35 साल के पहले और बाद का वरुण धवन अलग है. मैं खुद को एक आदर्शवादी तरीके से देखता था कि मैं एक हीरो हूं और मैं कुछ भी कर सकता हूं, क्योंकि मैं सचमुच स्क्रीन पर हीरो का किरदार निभाता हूं, लेकिन उस दिन मैं खुद को असफल महसूस कर रहा था.'

वरुण की बाहों में ड्राइवर ने तोड़ा था दम : वरुण धवन ने आगे बताया, 'मैं मनोज (ड्राइवर) के बहुत करीब था, जो कई सालों तक मेरा ड्राइवर रहा. वह अचानक ही हमें छोड़कर चला गया. मैंने सीपीआर दिया. हम उसे लीलावती अस्पताल ले गए और समय पर पहुंच गए. ऐसा लगा जैसे हमने किसी की जान बचा ली हो. लेकिन वह मेरी बाहों में ही चल बसा. यह देखना बहुत मुश्किल था कि उसकी मौत कितनी अचानक और सामान्य तरीके से हुई.'

धार्मिक ग्रंथों को शुरू कर दिया पढ़ना : इस अपने दुख से उबरने के लिए वरुण धवन ने धार्मिक ग्रंथों जैसे 'रामायण' और 'भगवद् गीता' का सहारा लिया. उन्होंने बताया, 'मुझे एहसास हुआ कि एक इंसान के रूप में आपको आगे बढ़ना चाहिए. ये घटनाएं आपको हिला देती हैं, लेकिन आप रुक नहीं सकते हैं. मैंने भगवद् गीता, महाभारत और रामायण पढ़ना शुरू किया, क्योंकि मेरे मन में बहुत से सवाल थे.'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक शान मोहम्मद द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस,बी-42, सेक्टर 7, नोएडा-201301, से छपवा कर सी -55/3 गली नं. 3 श्रीराम कॉलोनी, राजीव नगर, दिल्ली-110094 से प्रकाशित एवं प्रसारित। समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी विवादों का निपटारा केवल दिल्ली न्यायालय में ही मान्य होगा। R.N.I NO : DELHIN/20222/86452, E-mail: svadeshprem0@gmail.com सम्पादक : शान मोहम्मद, मोबाइल नं.: 9810993893, 9891916389